राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 7 दिसंबर–2021 वर्ष–4,अंक–314 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी के पारिवारिक कलह की वजह से जिंदा वापी में 5 लोगों की कुल्हाड़ी से हत्या,एक नाबालिग समेत 2 गिरफ्तार

हत्या के मुख्य आरोपी उसके पिता और दो नाबालिग भाई हैं

क्रांति समय,सूरत

वापी चार रास्ता के पास चाय-नाश्ते की दुकान पर एक युवक को चाकू मारने के आरोप में पुलिस ने एक नाबालिग समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है. जब एक व्यक्ति को वांछित घोषित किया गया था। विशेष रूप से, हत्या के लाइव सीसीटीवी फुटेज के आधार पर, पुलिस हत्याओं के बीच अंतर करने में सक्षम थी।

वलसाड जिले के वापी में मातृभूमि की दुश्मनी में यूपी से 1400 किलोमीटर दूर वापी में एक युवक की सार्वजनिक रूप से कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई. घटना वापी जीआईडीसी रोड के पास हुई। घटना के दूसरे दिन पुलिस ने गुप्त सूचना पर एक नाबालिग समेत दो आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की. हालांकि, जब हमलावर अपने भाई के साथ भाग रहा था, पुलिस उसे पकड़ने के लिए हाई अलर्ट पर थी।

वलसाड जिले के वापी पहाड़ी निवासी इंतजार शेख उर्फ सलमान वापी में कारोबार कर रहा था। पिछले शनिवार की शाम वह जीआईडीसी में जनता होटल के बगल में बोस्टन नामक एक चाय की दुकान पर आए। चाय लेकर दुकान से बाहर निकले तो सलमान ने उनके सिर पर कुल्हाड़ी से जोरदार प्रहार किया और सलमान लहूलुहान अवस्था में गिर पड़े। यह पूरी घटना एक चाय की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आरोपी कुल्हाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया और पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। आरोपी मौके से कुछ ही दूरी पर बाइक लेकर फरार हो गए।

रेलवे स्टेशन, हाईवे और बस डिपो पर घड़ी का सेट वापी में हमले के बाद घायलों को तत्काल इलाज के लिए वापी के रेनबो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। व्यवसायी सलमान के परिवार के सदस्य और दोस्त घटना की सूचना देने के लिए अस्पताल पहुंचे और साथ ही आसपास के क्षेत्र के लोगों को भी घटना की सूचना दी. घटना की जानकारी मिलते ही वापी जीआईडीसी पुलिस के पीआई वीजी भारवाड़ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वलसाड एसओजी और एलसीबी की एक टीम के साथ-साथ डीवाईएसपी कार्यालय की एक टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दुकान से कैमरा फुटेज प्राप्त करने के बाद हमलावरों को पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशनों, राजमार्गों और बस डिपो पर भी निगरानी रखी।

हत्याकांड में शामिल आरोपित गिरफ्तार

पुलिस ने निजी मुखबिरों की मदद से हत्या में शामिल आरोपी को घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। जिसमें खुलासा हुआ कि पुरानी रंजिश में पारिवारिक कलह को लेकर हमलावर ने हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस ने हमलावर के पिता और घटना में शामिल मोहम्मद अनवर को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की है। वारदात में अनवर और उसके ३ बेटे शामिल थे। जिसमें से सईद नाम के एक बेटे ने सलमान पर हमला कर हत्या कर दी। चूंकि वह अपने अन्य नाबालिग भाइयों में से एक के साथ फरार था, इसलिए आरोपी को जल्द से जल्द गति देने के लिए निजी मुखबिरों की मदद मांगी गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पूरे मामले में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। वलसाड पुलिस ने हत्याकांड में आरोपी के पिता अनवर और सागरित किशोर को गिरफ्तार कर दो और आरोपियों को वांछित घोषित कर दिया.

सूरत में ढाई साल की बच्ची से अश्लील फिल्म देखते हुए दुष्कर्म और हत्या के आरोपी कोर्ट के दोषियों को आज सुनाई जाएगी सजा

सूरत के पांडेसरा में ढाई साल की बच्ची के अपहरण के बाद दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक अदालत ने आज फैसला सुनाया है. कोर्ट ने आरोपी को दोषी पाया और दोषी करार दिया। अदालत कल सजा पर सुनवाई करेगी। पांडेसरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और लड़की के लापता होने के कुछ दिनों के भीतर ही शव मिलने के बाद सारे सबूत जुटा लिए. मतगणना के कुछ दिनों के भीतर यानी करीब 7 दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई. दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद आज फैसला आएगा। लोक अभियोजक नयनभाई सुखाड़वाला ने आरोपियों को अधिकतम सजा देने की मांग करते हुए कहा कि 99 फीसदी लोग चाहते थे कि इस जघन्य कृत्य की सजा मौत से कम न हो.

सबसे कम उम्र का शिकार

होने के आरोपी को दी जाए कड़ी सजा- लोक अभियोजक नयनभाई सुखाड़वाला ने लड़की की ओर से कोर्ट में दलील दी और मांग की कि आरोपी को मौत की सजा दी जाए. सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि दिवाली के दिन लड़की के साथ बलात्कार किया गया था। मामले में आरोपी ने अपना गुनाह कबूल लिया है। दुष्कर्म और हत्या में आरोपी ने बच्चे की आंतों को बाहर निकलते हुए भी नहीं देखा और शव छोड़कर फरार हो गया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और निर्भया कांड को भी सजा, सख्त सजा का उदाहरण बताया।मोबाइल जब्त, मेमोरी कार्ड से करीब 70 क्लिप बरामद किए गए।

प्रकाश को सजा मिलनी चाहिए,

आरोपी के बचाव पक्ष के वकील , उसके वकील ने कहा कि बचाव पक्ष के वकीलों का तर्क है कि आरोपी दो बच्चों का पिता है। यदि आरोपी को कड़ी सजा दी जाती है तो उसके दोनों बच्चों का भविष्य अंधकार में डूबने की संभावना है।आरोपी के माता-पिता बूढ़े हैं और उनके दो बच्चे हैं। इसलिए दोषियों को कम सजा दी जानी चाहिए।

दीपावली की रात दुष्कर्म के आरोपी ने पांडेसरा-वडोद इलाके में एक मजदूर परिवार की ढाई साल की बच्ची को दिवाली की रात चार नवंबर की रात दुष्कर्म की नीयत से अगवा कर लिया था. बिहार के जहानाबाद के रहने वाले और आरोपी गुरुकुमार मधेश यादव ने बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया. पांडेसरा पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के आरोप में आरोपी को गिरफ्तार कर लाजपुर जेल भेज दिया है. कुछ ही दिनों में पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया । पांडेसरा पुलिस ने मतगणना के कुछ दिनों के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लाजपुर जेल भेज दिया. पुलिस ने 246 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की जिसके बाद न्याय हुआ। डॉक्टरों, एफएसएल, आरोपी के मकान मालिक, दोस्त और अन्य गवाहों से जिरह के बाद एक दिसंबर को मुख्य लोक अभियोजक नयन सुखाड़वाला की अदालत में अंतिम दलीलें पेश की गईं. यादव गुड्डुकुमार ने ढाई साल की उम्र और दो बच्चों के पिता के साथ जघन्य कृत्य किया। परिवार बिहार के खैरा मथिया गांव में रहता है, जबकि गुड्डु पिछले 12 साल से सूरत में रह रहा है और पांडेसरा जीआईडीसी की आर्मो डाइंग मिल में काम करता है। पुलिस को गुड्डु के मोबाइल से कुछ अश्लील वीडियो मिले हैं। दिवाली की शाम उसने अपने मोबाइल पर एक अश्लील वीडियो देखा और फिर एक लड़की को यार्ड में खेलता देखा और अपहरण और छेड़छाड़ करने की बात कबूल कर ली।

32 वर्षीय शख्स को लगाए गए ब्रेनडेड किशोर के हाथ

14 वर्षीय बच्चे ने मौत के बाद 6लोगों को दिया जीने का मकसद

सूरत,गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत में एक शख्स को जिन्दगी जीने का नया मकसद मिल गया है। 32 वर्षीय जिगर अब अपनी बेटी को गोद में उठा सकेंगे। दरअसल, जिगर को 14 वर्षीय ब्रेन डेड बच्चे के हाथ लगाए गए हैं। मुंबई स्थित ग्लोबल अस्पताल में जिगर के हाथों का सफल ट्रांसप्लांट किया गया है।

जिगर ने बताया कि दो साल पहले करंट लगने की वजह से उनके हाथ पैर कट गए थे। जब हादसा हुआ तब उनकी बेटी सिर्फ 12 दिनों की थी। महाराष्ट्र स्थित पुणे निवासी जिगर ने कहा कि वह अपनी बिटिया को उठाने के लिए तरस रहे थे, लेकिन अब नया जीवन मिलने के बाद वह खुश हैं और अपनी बेटी को गोद ले सकेंगे।

उन्होंने बताया हाथ ट्रांसप्लांट के बाद मैं आर्टिफिशियल पैरों पर खड़ा होने लगा हूं। उन्होंने कहा हादसे के बाद वह बहुत निराश हो गए थे और जीवन में कुछ अच्छा होने की आस टूट चुकी थी। अब मुझे जीने का मकसद मिल गया है।

वहीं जिगर की पत्नी ने कहा करंट वाले हादसे के बाद हालात देखकर आंसू नहीं सूख रहे थे, लेकिन भगवान ने हमारी सुन ली। उल्लेखनीय है कि 14 वर्षीय धार्मिक काकड़िया के ब्रेनडेड होने के बाद सिर्फ जिगर को ही नहीं बल्कि 6 और लोगों को नई जिन्दगी मिली है।

14 वर्षीय बच्चे का दिल, फेफड़ा, लिवर और आंखे भी प्रत्यारोपित की गई हैं।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

कोई मनुष्य दूसरे मनुष्य को दास नहीं बनाता, केवल धन का लालच ही मनुष्य को दास बनाता है। - पंचतंत्र

संपादकीय

कैसे बना पानी?

संसार में कुछ ऐसे आधारभूत खोज हैं, जिनके पीछे सदियों से वैज्ञानिक लगे हुए हैं। इन्हीं खोजों में से एक है पानी की खोज, मतलब यह पता लगाना कि धरती पर पानी कहां से आया और अगर कहीं से आया नहीं, तो यहीं धरती पर कैसे बना? नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार, पृथ्वी पर सौर हवा के प्रभाव से ही पानी बना है। इटोकावा नामक छोटे ग्रह या तारे से पृथ्वी पर लाए गए नमूनों में पाए गए पानी के अणुओं से यह खोज संभव हुई है। शोध का नेतृत्व करने वाले ग्लासगो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ल्यूक डेली के अनुसार, यह हर कप पानी में आधा कप धूप का मामला है। इस पर आगे शोध हो, तो पृथ्वी पर जल की उत्पत्ति का रहस्य खुल सकता है। हर पानी में ड्यूटेरियम की एक मात्रा होती है, यह हाइड्रोजन का एक भारी रूप है। यह कोई आम हाइड्रोजन नहीं है। धरती पर जो पानी है, उसमें ड्यूटेरियम टु हाइड्रोजन का एक विशेष अनुपात है। हालांकि, खगोलविद जब खोज करते हैं, तो सौर तंत्र में ड्यूटेरियम टु हाइड्रोजन का अनुपात अलग मिलता है। हालांकि, कुछ अपवाद भी हैं, विशेष रूप से सी-टाइप के छोटे ग्रह पर जो जल तत्व मिलते हैं, वह पृथ्वी के जल तत्व के समान हैं। गौर करने की बात है कि पानी संबंधी इस खोज में जापान का बड़ा योगदान है। 2010 में जापानी एयरोस्पेस एजेंसी के हायाबुसा मिशन ने छोटे ग्रह इटोकावा से नमूने जुटाए थे, यह पत्थर के प्रकार का छोटा ग्रह है। अभी इस ग्रह में पानी बहुत कम है, क्योंकि यह सूर्य के बहुत करीब है। वैज्ञानिकों ने इटोकावा से लिए गए सैंपल में माइक्रोन आकार के धूल के परमाणुओं और अणुओं का विश्लेषण करने के लिए टोमोग्राफी नामक तकनीक का उपयोग किया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पानी अंतरिक्ष अपक्षय द्वारा निर्मित होता है। हाइड्रोजन आयन - प्रोटॉन - सौर हवा में स्थित धूल के कणों में प्रवेश करते हैं, जहां वे खनिजों का ऑक्सीकरण करते हैं, पहले हाइड्रॉक्सिल (एचओ) और फिर पानी (एच2ओ) बनाते हैं। डेली की टीम ने सी-प्रकार के छोटे ग्रहों के प्रभावों द्वारा समर्थित, प्रारंभिक सौर मंडल में युवा पृथ्वी पर बरसते पानी से भरे धूल के बादलों की परिकल्पना की है। हालांकि, इस दिशा में और शोध की जरूरत है। पारंपरिक रूप से भारत में सूर्य को प्रात- जल अर्पित कर आभार जताया जाता है। सूर्य से ही जल व अग्नि को संभव माना गया है और विज्ञान निरंतर इसे प्रमाणित करने में लगा है। हालांकि, विज्ञान को अभी लंबा सफर तय करना है। रिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के स्टीवन डेस्च, जो अध्ययन में शामिल नहीं थे, इस परिणाम को दिलचस्प बताते हैं, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। वैज्ञानिकों को अभी और काम करना होगा, तभी वे दुनिया को सही मायने में जल के जन्म के बारे में आश्वस्त कर पाएंगे। एक विचार यह भी है कि सूर्य तो जल को शोषित करता है, वह जल की वजह कैसे बन सकता है। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि हां, सूर्य के प्रभाव से पानी तैयार होता है, लेकिन इतना नहीं, जितना पृथ्वी पर है। पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी है। फिर भी शोध से इतना तो प्रमाणित हो गया है कि सौर कणों से जल की प्राप्ति संभव है। डेली को उम्मीद है, यह खोज भविष्य के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए काम की हो सकती है, शायद वे चंद्रमा पर भी जल बना पाएंगे।

आज के कार्टून

अहंकार

आचार्य रजनीश ओशो/ यह असंभव है। अहंकार का त्याग नहीं किया जा सकता क्योंकि अहंकार का कोई अस्तित्व नहीं है। अहंकार केवल एक विचार है- उसमें कोई सार नहीं है। अहंकार एक तरह का अभाव है। अहंकार इसलिए है क्योंकि तुम स्वयं को नहीं जानते। जिस क्षण तुम स्वयं को जान लेते हो, कोई अहंकार नहीं पाओगे। तुम्हें बार-बार कहा गया है- 'अपने अहंकार को मारो'-और यह वाक्य साफ तौर पर बेतुका है, क्योंकि जिस चीज का कोई अस्तित्व ही नहीं उसका त्याग भी नहीं किया जा सकता। किसी भी चीज का त्याग करने से पहले उसकी उपस्थिति का पक्का कर लेना चाहिए पर आरंभ से ही इसके विरोध में ना चले जाओ। यदि तुम इसका विरोध करते हो तो तुम इसको गहराई से नहीं देख सकोगे। अहंकार के ढंगों को देखो, यह कैसे काम करता है, आखिर कैसे यह संचालित करता है। और तुम हैरान हो जाओगे; जितने गहरे तुम इसमें जाते हो यह उतना ही दिखाई नहीं पड़ता। 'अहंकार' वो है जिसे तुम एकत्रित करते हो; अहंकार तुम्हारी उपलब्धि है। अहंकार का समर्पण नहीं करना होता, उसका साक्षी बनना होता है। यही है 'रिस्पेक्ट' का अर्थ। इसका अर्थ वह नहीं है जो प्रचलन में है- 'आदर'। नहीं-रिस्पेक्ट का साधारण सा अर्थ है- 'री-स्पेक्ट', फिर से देखना। यही है इसका शाब्दिक अर्थ; इसमें आदर जैसे शब्द के लिए कोई जगह नहीं है। 'स्पेक्ट' का अर्थ है देखना; 'री' का अर्थ है दोबारा। यदि तुम री-स्पेक्ट करते हो, यदि तुम फिर से देखते हो और अपने अस्तित्व की गहराई में उतरते हो, तो तुम एक जगह पाओगे जहां से तुमने स्वयं को खोना और अहंकार को अर्जित करना आरंभ किया था। वो पल रोशनी का एक पल होता है, क्योंकि एक बार यदि तुमने देख लिया कि अहंकार क्या है, तब खेल समाप्त हो जाता है। तो मैं तुम्हें यह नहीं कह सकता कि अहंकार को गिरा दो क्योंकि इसका तो अर्थ हुआ कि मैंने तुम्हारे अहंकार की वास्तविकता को स्वीकार कर लिया। और तुम उसे गिरा कैसे सकते हो- जब कि तुम ही वह हो। इस क्षण में तुम ही अहंकार हो। स्वयं को तो तुमने कहीं पीछे अतीत में छोड़ दिया है। यह समझने योग्य एक बहुत ही आधारभूत बात है-अहंकार अपने शिखर पर आ जाए, वह मजबूत हो जाए, और एक अखंडता हासिल कर ले-केवल तभी तुम उसे पिघला सकोगे। एक दुर्बल अहंकार को पिघलाया नहीं जा सकता। और यह एक समस्या बन जाता है।

डिज्नीलैंड की स्थापना में 300 बार असफल हुए थे वाल्ट डिज्नी

- योगेश कुमार गोयल

वाल्टर एलियास वाल्ड डिज्नी ने मूल रूप से अमेरिका के कैलिफोर्निया के एनाहिम में जो डिज्नीलैंड बननाया, उसमें आज प्रतिवर्ष करीब एक करोड़, साठ लाख पर्यटक पहुंचते हैं। वहां अभी तक 50 करोड़ से भी ज्यादा पर्यटक पहुंच चुके हैं। इन पर्यटकों में कई देशों के राष्ट्रपति, राष्ट्राध्यक्ष तथा अनेक शाही लोग भी शामिल हैं। 'डिज्नीलैंड' एक ऐसा मनोरंजन और थीम पार्क है, जहां दुनियाभर से आने वाले बच्चों के साथ-साथ बड़े भी खूब मस्ती करते हैं। यह ऐसी जगह है, जहां कल्पनाओं से भरी अनूठी दुनिया हर किसी को आनंदित करती है। डिज्नीलैंड का नाम इसके संस्थापक वाल्ट डिज्नी के नाम पर ही रखा गया। वाल्ट डिज्नी चाहते थे कि वे एक ऐसे थीम पार्क का निर्माण करें, जहां माता-पिता और बच्चे, दोनों ही एक साथ आनंद ले सकें। डिज्नीलैंड के रूप में उन्होंने अपने इसी विचार को मूर्त रूप दिया। वाल्टर एलियास वाल्ड डिज्नी का जन्म पांच दिसम्बर 1901 हुआ था। वर्ष 1940 के आसपास की बात है, जब एक बार रविवार के दिन वाल्ट डिज्नी अपनी दोनों प्यारी बेटियों डियान और भोरॉन के साथ ग्रिफिश पार्क में घूमने गए थे। हालांकि वहां दूसरे बच्चे मस्ती कर रहे थे, लेकिन उनकी बेटियों को वह पार्क बहुत अच्छा नहीं लगा। तब वाल्ट डिज्नी के मन में विचार आया कि क्यों न एक ऐसी जगह विकसित की जाए, जहां बच्चों के साथ बड़े भी भरपूर मस्ती कर सकें। उसी के बाद वाल्ट डिज्नी थ्रिलर और मस्ती से भरी एक ऐसी ही दुनिया के निर्माण में जुट गए। कहा जाता है कि वाल्ट डिज्नी 'डिज्नीलैंड' की स्थापना करने के मुकाम तक पहुंचने में करीब तीन सौ बार असफल हुए। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और काफी लंबे प्रयासों तथा अथक परिश्रम के बाद 'डिज्नीलैंड' के रूप में उनका सपना साकार हुआ। वह आज दुनियाभर में हर किसी के आकर्षण का केन्द्र बना है। असफलताओं से जूझते-जूझते सफलता के इतने बड़े मुकाम तक पहुंचने की उनकी यह कहानी ऐसे लोगों के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा भी है, जो एक-दो बार की असफलता के बाद ही हार मानकर अपने जीवन से निराश हो जाते हैं। वाल्ट डिज्नी जब 19 साल के थे, तब उन्होंने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर एक कमर्शियल आर्टिस्ट कम्पनी की नींव रखी। उस समय वे कई अखबारों और प्रकाशकों के लिए कार्टून बनाया करते थे। 16 अक्तूबर 1923 को उन्होंने अपने भाई के साथ मिलकर 'डिज्नी ब्रदर्स कार्टून स्टूडियो' की नींव रखी। बहुत थोड़े ही समय में डिज्नी के कार्टून्स की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि लोग चिट्ठियां लिख-लिखकर उनके स्टूडियो में आने की इच्छा जताने लगे। उनका स्टूडियो छोटा था, इसलिए उन्होंने ऐसा थीम पार्क बनाने के अपने आइडिया को मूर्त रूप देने का निश्चय किया, जहां लोग दिनभर परिवार के साथ खूब मस्ती कर सकें। हालांकि पहले इस पार्क को स्टूडियो के पास ही तीन एकड़ जगह पर बनाए जाने पर विचार हुआ। बाद में इसे एनाहिम में 65 एकड़ के विशाल क्षेत्र में बनाया गया। डिज्नीलैंड की स्थापना के बाद वाल्ट डिज्नी दुनियाभर के मनोरंजन पार्कों में घूम-घूमकर देखते रहे कि वहां लोगों की दिलचस्पी किन-किन चीजों में है। उसी के आधार पर डिज्नीलैंड में भी वे उन सभी चीजों का समावेश करते रहे, जो लोगों को ज्यादा आकर्षित करती थी। 'वाल्ट डिज्नी पार्क्स' के स्वामित्व वाले डिज्नीलैंड की स्थापना 17 जुलाई 1955 को हुई थी। उस दिन सजीव टेलीविजन प्रसारण के साथ डिज्नीलैंड का पूर्वावलोकन किया गया था। उसे आर्ट लिंकलेटर और रोनाल्ड रीगन द्वारा आयोजित किया गया था। उसके अगले दिन 18 जुलाई 1955 को डिज्नीलैंड को आम लोगों के लिए खोल दिया गया था, जहां एक डॉलर मूल्य का इसका सबसे पहला टिकट इसके संस्थापक वाल्ट डिज्नी के भाई ने खरीदा था। आजकल यहां के एक दिन के टिकट की कीमत सौ डॉलर से भी ज्यादा है। ओपनिंग के दिन 17 जुलाई को हालांकि वाल्ट डिज्नी ने कुछ खास मेहमानों के अलावा कुछ पत्रकारों को ही आमंत्रित किया था किन्तु इस समारोह में करीब 28 हजार लोग पहुंचे गए। उनमें से आधे से भी ज्यादा ऐसे लोग थे, जिन्हें कोई आमंत्रण नहीं दिया गया था। डिज्नीलैंड के उस समारोह का सीधा प्रसारण किया गया था। लोगों की अचानक उमड़ी भीड़ के चलते चारों तरफ अव्यवस्था का आलम बन गया था। पीने के पानी की कमी हो गई थी, बेहद गर्मी के चलते कुछ ही समय पहले वहां कुछ जगहों पर जमीन पर डाला गया तारकोल पिघलने से महिलाओं की सैंडिलें उस पर चिपक रही थीं। जो कोल्ड ड्रिंक कम्पनी डिज्नीलैंड की उस ओपनिंग सेरेमनी को स्पांसर कर रही थी, उसने पानी की कमी होने पर नलों से पानी आना बंद होने पर नलों के पास ही कोल्ड ड्रिंक बेचना शुरू कर दिया था, जिससे लोगों में खासी नाराजगी भी उत्पन्न हो गई थी। यही वजह रही कि डिज्नीलैंड के 'ओपनिंग डे' को 'ब्लैक संडे' के नाम से भी जाना जाता है। वैसे तो पूरा डिज्नीलैंड ही कल्पनाओं, रहस्य और

रोमांच से भरा है, फिर भी मिकी माउस, मिनी माउस, प्रिंसेस टियाना, टिंकर बेल, गूफी, पूह जैसे डिज्नी कार्टून कैरेक्टर्स के साथ अलग-अलग थीम पर बने डिज्नीलैंड में पेड़ पर टारजन का घर, इंडियाना जोंस, टेंपल ऑफ द फॉरबिडेन आई, पायरेट्स ऑफ द कैरेबियन, माउंटेड मेंसन, पैसेंजर ट्रेन, रोमांच से भरी जंगल लाइफ, फेरिस व्हील, स्काई राइड इत्यादि हर समय आकर्षण का मुख्य केन्द्र बने रहते हैं। बच्चे टीवी पर जिस मिकी माउस और मिनी माउस को देखकर खुश होते हैं और अपना मनोरंजन करते हैं, वे उन्हें यहां जगह-जगह घूमते-फिरते, बातें करते और डांस करते नजर आएंगे। इस खूबसूरत मनोरंजन पार्क में 'मिकी टूनटाउन' में बच्चों के इन पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स का घर बनाया गया है। हालांकि 1971 में फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में डिज्नी वर्ल्ड, 1983 में टोक्यो में डिज्नीलैंड, 1992 में पेरिस में यूरो डिज्नीलैंड तथा 2005 में हांगकांग डिज्नीलैंड की भी स्थापना हुई है। फिर भी अमेरिका के कैलिफोर्निया के एनाहिम में स्थित 'डिज्नीलैंड' सबसे पुराना और सबसे विस्तृत डिज्नीलैंड है, जिसका कुल क्षेत्रफल 73.5 हेक्टेयर है। उसमें से 30 हेक्टेयर में थीम पार्क है। बताया जाता है कि यह इतना विशाल मनोरंजन पार्क है कि इसके संचालन और देखभाल के लिए यहां 65 हजार से भी ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वायरस के नये रूपांतरण की चुनौती

दिनेश सी. शर्मा

पिछले सप्ताह, जब से कोरोना वायरस के नये रूप की पुष्टि हुई है, पूरी दुनिया में चिन्ता की लहर दौड़ गई है। गत 9 नवम्बर को बी.1.1.529 नामक इस रूपांतर के पहले मामले का दक्षिण अफ्रीका को जब पता चला, वह पहले ही डेल्टा वेरियंट से बने केसों की भरमार से जूझ रहा था। 24 नवम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन को यह नया रूपांतर सूचित किया गया। इस वैश्विक मंच ने 26 नवम्बर को सार्स कोव-2 पर बनाए तकनीकी सलाहकार समूह की बैठक बुलाई। यह माहिरों का स्वतंत्र समूह है, जिसको वायरस के क्रमिक विकास, उससे बनते एक अथवा ज्यादा परिवर्तनों, निगरानी और असरात का आकलन करना सौंपा गया है। उपलब्ध सबूतों एवं डाटा के आधार पर और जिस तरह वायरस संरचना में बदलावों के बाद दक्षिण अफ्रीका के लगभग सभी प्रांतों से काफी संख्या में केस सामने आए हैं, इसे ओमीक्रॉन नाम देते हुए 'चिंता का विषय' श्रेणी में रखा गया। समूह के त्वरित निर्णय ने दुनियाभर में खलबली और घबराहट पैदा कर दी, शेयर बाज़ार में उथल-पुथल मची और कई देशों ने अंतर्राष्ट्रीय आवाजाही पर प्रतिबंध एवं निर्देशावली जारी कर दी है। जिस फुर्ती से स्वास्थ्य एजेंसियों को नये रूपांतर का पता चलते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की समिति ने डाटा विश्लेषण किया है, वह तंत्र की सजगता दर्शाता है। नये वेरियंट की शिनाख्त सामान्य पीसीआर परीक्षण के दौरान हुई है। पॉजीटिव मामलों के सैम्पलों का टेस्ट करते वक्त लैबोरेटरियां वायरस की जिन तीन जीन्स पर मुख्य ध्यान केंद्रित रखती हैं, उनमें एक गायब है। यह कई जगह हुआ। जीनोम सिक्वेंसिंग ने स्पाइक प्रोटीन में हुए परिवर्तन की तस्दीक की। विश्व स्वास्थ्य संगठन के जिस विशेषज्ञ समूह ने विश्लेषण किया है, उसके अध्यक्ष भारतीय वैज्ञानिक प्रो. अनुराग अग्रवाल हैं, वह नयी दिल्ली स्थित सीएसआईआर के इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी के निदेशक हैं। बेशक इस समूह ने ओमीक्रॉन के शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को चकमा देने वाला, अतिसंक्रामक और खतरनाक होने का अंदाज़ा लगाया है, किंतु साथ ही चेताया है कि इस आकलन के बारे में अभी काफी अनिश्चितता है। इसमें संशय अनेकानेक हैं। पहला, इसकी प्रसार क्षमता को लेकर है। बेशक इसका अनुवांशिक तंत्र संकेत देता है कि यह डेल्टा वेरिएंट से ज्यादा संक्रामक हो सकता है, लेकिन फिलहाल मामलों की संख्या कम होने से कुछ पक्का नहीं है। हालांकि, जीनोमिक डाटा भी बताता है कि ओमीक्रॉन रोग-प्रतिरोधकता क्षमता को चकमा दे सकता है यानी टीकाकृत हुआ इंसान भी प्रभावित हो सकता है। यहां पुनः असमंजस है, क्योंकि हर वैक्सीन से अलग रोग-प्रतिरोधकता बनती है। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि शायद निष्क्रिय वायरस से बनी वैक्सीन कारगर हो क्योंकि एमआरएनए वैक्सीन शरीर की रोग-प्रतिरोधक प्रतिक्रिया को उसके वंशानुक्रम के प्रति भी क्रियाशील कर देती है। किंतु ठोस सबूतों के अभाव में यह कहना फिलहाल समझ के हिसाब से लगाए गए कयास हैं। ओमीक्रॉन के बारे में अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने सबसे पहले ओमीक्रॉन को उजागर किया है, कदाचित यह अन्य देशों में भी मौजूद होता, जहां शिनाख्त नहीं हुई थी। सबसे बड़ी अनिश्चितता शरीर पर ओमीक्रॉन के असर को लेकर है। क्या बीमारी नरम रहेगी, जिसमें अस्पताल में भरती होने और ऑक्सीजन लगाने की नौबत न बने? क्या ओमीक्रॉन खुद महामारी की दिशा बदल देगा? हमें ओमीक्रॉन की संरचना के बारे में अब काफी पता है, लेकिन इससे पैदा बीमारी, तीव्रता, शरीर की रोग-प्रतिक्रिया, एंडीबॉडी मारक क्षमता के बारे में ज्यादा मालूम नहीं है। यही वजह है कि ओमीक्रॉन संबधित दुविधा से राष्ट्रों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य तंत्र और लोगों के सामने गंभीर चुनौती बनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देशों को सतर्कता बरतने, परीक्षण बढ़ाने और अन्य वैज्ञानिकों से डाटा साझा करने को कहा है ताकि रूपांतरों से बेहतर ढंग से निपटा जा सके। किन्हीं इलाकों में बढ़ते मामलों का तुरंत संज्ञान लेना, अध्ययन और वास्तविक समय में टेस्ट करने पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी आवागमन प्रतिबंध लगाने की सलाह नहीं दी है, किंतु अनेक देशों ने ओमीक्रॉन के आरंभिक मामलों वाले देशों से आने वाली उड़ानों को वर्जित कर दिया है। विडंबना है कि यह ऐसे वक्त पर करना पड़ा है जब अधिकांश देश सामान्य अंतर्राष्ट्रीय आवागमन बहाल करने जा रहे थे। इन प्रतिबंधों का असर अर्थव्यवस्था, कुछ क्षेत्रों मसलन, वायुसेवा, होटल एवं टूरिज्म पर बहुत पड़ेगा, जो पहले ही पिछले दो सालों से काफी प्रभावित हुए हैं। चूंकि डेल्टा वेरियंट ने भारत को अचानक आन घेरा था, इसलिए नये रूपांतर पर काफी सतर्क रहना होगा। तमाम जरूरी कदम उठाकर, संभावित तीव्र उछाल के मद्देनजर स्वास्थ्य तंत्र को तैयार रखना, साथ ही अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी बहाल रखने के उपाय करने होंगे। लॉकडाउन और आवागमन रोकने जैसे कठोर कदम प्राप्त सबूतों के आधार पर हों न कि हड़बड़ी में। व्यक्ति स्तर पर, मास्क पहनना, हाथ धोना और शारीरिक दूरी बनाए रखना, कमरों के वायु-चक्र में सुधार और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर रहने से खतरा कम-से-कम रहता है और यह सबसे कारगर है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में इस पर कोताही बढ़ी है, लोग या तो मास्क पहन नहीं रहे या सही ढंग से नहीं लगाते। सामाजिक आयोजन, धार्मिक एवं राजनीतिक सभाएं भी हर तरफ हो रही हैं, वहां भी उचित शारीरिक दूरी का ध्यान नहीं रखा जाता। कुछ राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां कोविड व्यवहार संहिता सुनिश्चित करवाना चुनाव आयोग के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। ओमीक्रॉन ने विभिन्न वैक्सीनों की उपलब्धता के बावजूद टीकाकरण अंतर को भी उजागर किया है। जहां अफ्रीका में बहुत से देशों में अभी लोगों को टीका नहीं लग पाया वहीं कुछ विकसित देशों में तीसरी (बूस्टर) डोज़ लग रही है। जहां कहीं सबका टीकाकरण नहीं होगा, वहां वायरस को क्रमिक विकास करना आसान होगा और वह लगातार रूपांतर करता रहेगा। वैक्सीन का समान आवंटन सुनिश्चित करवाना अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की जिम्मेवारी है।

सू-दोकू नवताल -1982

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

सू-दोकू -1981 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1982

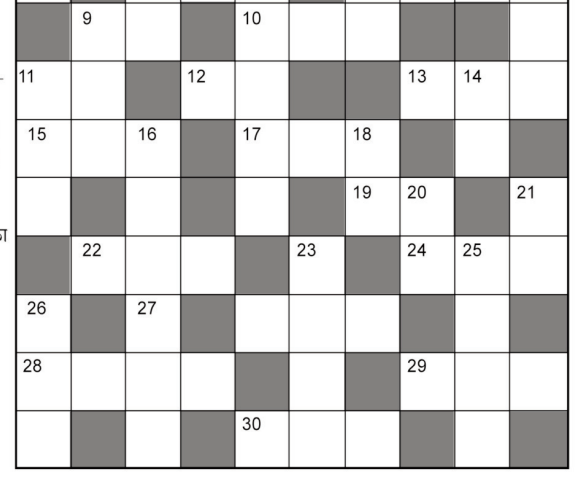

बायें से दायें:-

1. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-3
3. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-3
5. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-3
8. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-2
10. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-3
11. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
12. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
13. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-3
15. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-4
17. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
19. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-3
24. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
27. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
28. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-4
29. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-3
30. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

11. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-3
14. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-2
16. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-3,3
18. फिल्म 'मिस 420' में नायिका कौन थी-2
20. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-2
21. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-2
23. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-4
25. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-4
26. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 1981

रा	हु	ल		ना		जै	ब	ल	र
जा			घा	य	ल		द		न
औ	ला	द		ब	गा	व	त		
र		स	त्या		न		मी	ना	क्षी
रं	गी	ला		टी		अ	ज	य	
क		ख	ल	ना	य	क		क	था
	दो		की			ल	क्ष्य		ने
खू	ब	सू	र	त		मं		दा	दा
	द			ला		द	स		र
डॉ	न		रो	श	नी		नी	तू	

1. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-2
2. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-3
3. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-4,2
4. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-3
5. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
6. जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-4
9. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-3

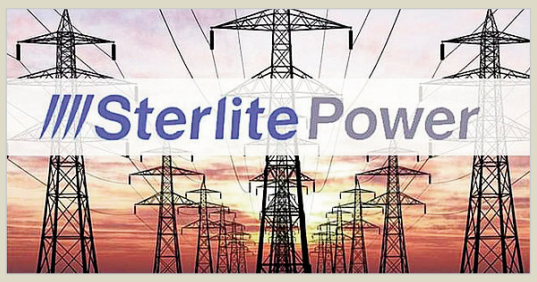

स्टरलाइट पावर और ईएसडीएस को सेबी से आईपीओ की मंजूरी मिली

नयी दिल्ली,

अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली कंपनी स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन और क्लाउड सेवा एवं डेटा सेंटर फर्म ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है। इन दोनों कंपनियों ने अगस्त-सितंबर के दौरान भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लाने के लिए मंजूरी मांगी थी। सेबी की वेबसाइट पर सोमवार को डाली गई सूचना के मुताबिक, बाजार नियामक का निष्कर्ष पत्र स्टरलाइट पावर को दो दिसंबर को मिला जबकि ईएसडीएस को यह पत्र तीन दिसंबर को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही दोनों कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का रास्ता साफ हो गया है। स्टरलाइट पावर का आईपीओ के जरिये 1,250 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। वहीं ईएसडीएस के आरंभिक निर्गम का आकार करीब 1,200 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

सोने में 29 रुपये की तेजी, चांदी 149 रुपये टूटी

नयी दिल्ली. अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बावजूद रुपये में कमजोरी के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 29 रुपये की तेजी के साथ 46,974 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 149 रुपये घटकर 60,137 रुपये प्रति किलो रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,286 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ 75.42 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,781 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 22.38 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''सोमवार को कॉमेक्स (न्यूयॉर्क स्थित जिंस बाजार) में हाजिर सोने का भाव गिरावट के साथ 1,781 डॉलर प्रति औंस रह गया जिससे यहां सोने में नरमी आई।''

श्रीराम प्रॉपर्टीज के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

मुंबई। श्रीराम प्रॉपर्टीज ने 8 दिसंबर को खुलने वाले 600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में शेयरों के लिए 113-118 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। श्रीराम प्रॉपर्टीज का आईपीओ आठ से शुरू होकर दस दिसंबर तक खुला रहेगा। हालांकि एंकर निवेशकों के लिए बोली सात दिसंबर को खुलेगी। पहले कंपनी बिक्री के लिए 550 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश करने वाली थी, लेकिन बाद में घटाकर 350 करोड़ रुपये कर दिया।इस तरह आईपीओ का आकार भी 800 करोड़ रुपये से कम होकर 600 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ में 250 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों के अलावा बिक्री के लिए रखे गए 350 करोड़ रुपये के पुराने शेयर भी शामिल होंगे। बिक्री के लिए रखने वाले (ओएफएस) शेयरों में ओमेगा टीसी साब्रे होल्डिंग्स 90.95 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री करेगी, जबकि टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज 8.34 करोड़ रुपये के शेयर बेचेगी।

सैमसंग 8 फरवरी को पेश करेगा गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा : रिपोर्ट

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज सैमसंग कथित तौर पर 8 फरवरी, 2022 को अपना अगला फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रा लॉन्च करने की योजना बना रही है। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, लोकप्रिय टिपस्टर आइस यूनिवर्स के अनुसार, सैमसंग 8 फरवरी तक गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा की आधिकारिक घोषणा नहीं करेगा। गैलेक्सी एस22 सीरीज के अन्य मॉडलों की घोषणा उसी दिन की जाएगी। गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा का डिस्प्ले, आगामी फ्लैगशिप फोन सीरीज का शीर्ष मॉडल, सैमसंग द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ब्राइटेस्ट डिस्प्ले होगा। वर्तमान गैलेक्सी एस21 अल्ट्रा पीक ब्राइट के 1500 निट्स पर है और कोई भी एस22 अल्ट्रा से इस निशान से आगे जाने की उम्मीद कर सकता है। आगामी गैलेक्सी एस21 सीरीज अगले महीने बड़े पैमाने पर उत्पादन में प्रवेश करेगी। लाइनअप में स्मार्टफोन जनवरी 2022 से खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे और सीरीज के सभी मॉडल क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 898 चिपसेट द्वारा संचालित होने की उम्मीद है। विनिर्देशों के संदर्भ में, आगामी सीरीज में 3 एक्स ऑप्टिकल जूम क्षमताओं के साथ खराब ऑप्टिकल जूम वाले हाई-रिजॉल्यूशन सेंसर के विपरीत एक नया 10 एमपी टेलीफोटो सेंसर हो सकता है। सैमसंग गैलेक्सी एस22/एस22 प्लस मॉडल पर एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की योजना बना रहा है। गैलेक्सी एस22 सीरीज के स्मार्टफोन में 10 एमपी का टेलीफोटो लेंस होगा जो गैलेक्सी एस20/एस21 युग के हाइब्रिड जूम के बजाय 3 एक्स ऑप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है। पिछली अफवाहों ने सुझाव दिया था कि गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा में गैलेक्सी एस21 अल्ट्रा पर डुयल 10 एमपी टेलीफोटो कैमरा सेटअप जारी रखने की उम्मीद है। इनमें से एक लेंस पेरिस्कोप लेंस होगा जो 10 एक्स ऑप्टिकल जूम की पेशकश करेगा।

रुपया 30 पैसे टूटकर 75.42 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (एजेंसी)

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ 75.42 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कोरोना वायरस के नये स्वरूप को लेकर बढ़ती चिंता के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के साथ रुपये की विनिमय दर में गिरावट आयी। बाजार सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा विदेशों में डॉलर के मजबूत होने के कारण रुपये में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.22 पर खुलने के बाद ऊंचे में 74.19 और नीचे में 75.45 तक गया। अंत में रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ 75.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पूर्व शुक्रवार को रुपया 75.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 96.23 हो गया। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमत 2.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 71.58 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी।। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 949.32 अंक की गिरावट के साथ 56,747.14 अंक पर बंद हुआ।

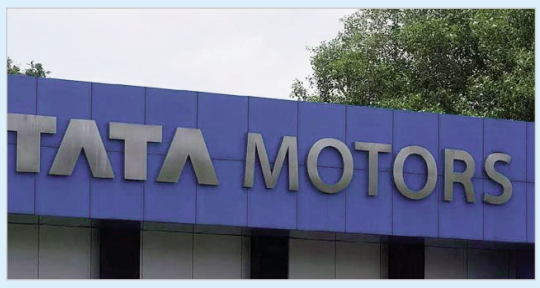

एक जनवरी से महंगे होंगे टाटा मोटर्स के ये वाहन, 2.5% तक बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली (एजेंसी):

घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में एक जनवरी से 2.5 प्रतिशत तक वृद्धि करने जा रही है। कंपनी ने कहा है कि जिंसों के दाम बढ़ने और कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को बताया कि वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी का यह फैसला सभी श्रेणियों पर लागू होगा। मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन, मध्यवर्ती एवं हल्के वाणिज्यिक वाहन, छोटे वाणिज्यिक वाहन और बसों के दाम भी बढ़ेंगे। टाटा मोटर्स ने कहा, ''इस्पात, एल्युमिनियम और अन्य बहुमूल्य धातुओं के दामों में हुई वृद्धि के साथ दूसरे कच्चे माल की भी लागत बढ़ने से वाणिज्यिक वाहनों के दाम बढ़ाने का फैसला लेना पड़ा है। कंपनी ने कहा कि इस लागत वृद्धि का एक बड़ा बोझ वह खुद उठा रही है लेकिन वाहनों की कीमतों में थोड़ी वृद्धि कर इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों पर भी डालना पड़ रहा है। इसके पहले मारुति सुजुकी, मर्सिडीज बेंज और ऑडी ने भी अगले महीने से अपने वाहनों के दाम बढ़ाने की घोषणा की है।

कुतुबमीनार से भी ज्यादा ऊंचाइयां छूने को गोरखपुर तैयार, यहां के प्रिलिंग टॉवर की उंचाई दुनिया भर में सबसे ज्यादा

गोरखपुर (एजेंसी)।

रसायन उत्पादन के लिए अनेक टावर बने हैं, लेकिन गोरखपुर के प्रिलिंग टॉवर की बात कुछ और है। दुनिया भर में जितने भी यूरिया खाद के कारखाने बने हैं उनमें हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) द्वारा गोरखपुर में बनाए जा रहे खाद कारखाने का प्रिलिंग टॉवर सबसे ऊंचा है। यह विश्व में किसी भी खाद कारखाने का सबसे ऊंचा प्रिलिंग टॉवर है। तुलनात्मक विश्लेषण करें तो यह कुतुब मीनार से भी दोगुना ऊंचा है। कुतुब मीनार की ऊंचाई 72.5 मीटर है। जबकि इसकी 149.5 मीटर है। रसायन विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रिलिंग टॉवर की ऊंचाई उर्वरक की गुणवत्ता का पैमाना होती है। ऊंचाई जितनी अधिक होगी, उर्वरक उतनी क्वालिटी वाला होगा। विशेषज्ञों की मानें तो यूरिया प्लांट में टॉवर की ऊंचाई हवा की औसत रफ्तार के बाद तय की जाती है। इसके लिए एचयूआरएल की टीम ने करीब महीने भर हवा की रफ्तार को लेकर सर्वे किया था। गोरखपुर खाद कारखाना के 149.5 मीटर ऊंचे प्रिलिंग टॉवर में यूरिया निर्माण से संबंधित तरल पदार्थों को दूसरे यूनिट से पाइप लाइन के माध्यम से लाकर ऊंचाई से गिराया जाएगा। इसके बाद वह धीरे-धीरे नीचे आते हुए टॉवर के अंदर के तापमान की वजह से छोटे-छोटे यूरिया के दानों में बदल जाएगा।22 जुलाई 2016 को गोरखपुर में एचयूआरएल के खाद कारखाने का शिलान्यास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संघर्ष को परिणामजन्य बनाया था। करीब 600 एकड़ में 8603 करोड़ रुपये की लागत से अब यह खाद कारखाना तमाम खूबियों के साथ बनकर तैयार है। ऐसी ही खासियत यहां बने प्रिलिंग टॉवर की है। इसकी ऊंचाई 149.2 मीटर है जो पूरे विश्व में अबतक की सर्वाधिक ऊंचाई वाला प्रिलिंग टॉवर है। तुलनात्मक विश्लेषण करें तो यह कुतुब मीनार से भी दोगुना ऊंचा है। कुतुब मीनार की ऊंचाई 72.5 मीटर है। एचयूआरएल के सीनियर मैनेजर सुबोध दीक्षित ने बताया कि सबसे ऊंचे प्रिलिंग टॉवर से बेस्ट क्वालिटी की यूरिया का उत्पादन गोरखपुर के खाद कारखाना में होगा। गोरखपुर खाद कारखाने के प्रिलिंग टॉवर की ऊंचाई कुतुबमिनार से दोगुने से भी अधिक है। कुतुबमीनार की ऊंचाई 72.5 मीटर (237.8 फीट) है जबकि प्रिलिंग टॉवर की ऊंचाई 149.5 मीटर (490.36 फीट) है। उन्होंने बताया कि विश्व के किसी भी फर्टिलाइजर कारखानें सबसे ऊँचा है। जितना ऊँचा रहेगा उतनी ही अच्छी यूरिया तैयार होगा। एचयूआरएल की तरफ से कार्यदायी कंपनी टोयो

इंजीनियरिंग जापान-इंडिया ने प्रीलिंग टावर की ऊंचाई सर्वाधिक रखी। प्रीलिंग टावर की ऊंचाई जितनी अधिक होती है, यूरिया के दाने उतने छोटे व गुणवत्तायुक्त बनते हैं। इस उत्पादन से देश की खाद मामले में आयात पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। विषेषज्ञों ने बताया कि गोरखपुर खाद कारखाने का प्रिलिंग टॉवर ऊंचा होने की वजह से इसमें 0.2 एमएम के दाने बनेंगे। दानों का आकार छोटा होने से वे मिट्टी में तेजी से घुलेंगे और उसका असर भी जल्द पड़ेगा। प्राकृतिक गैस आधारित यहां के प्लांट में प्रतिवर्ष 12.7 लाख मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया का उत्पादन होगा।

बारिश की वजह से दक्षिण भारत में 140 रुपए किलो बिक रहा है टमाटर

(एजेंसी)

भारी बारिश के कारण आपूर्ति प्रभावित होने की वजह से दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में टमाटर की खुदरा कीमतें 140 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। देश के अधिकांश खुदरा बाजारों में सितंबर के अंत से टमाटर की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं लेकिन लगातार बारिश के कारण दक्षिणी राज्यों में कीमतों में भारी तेजी आई है। उत्तरी क्षेत्र में टमाटर की खुदरा कीमतें सोमवार को 30-83 रुपए प्रति किलोग्राम के दायरे में चल रही थीं, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में कीमतें 30-85 रुपए प्रति किलोग्राम और पूर्वी क्षेत्र में 39-80 रुपए प्रति किलोग्राम थी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा रखे जाने वाले आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। पिछले कुछ हफ्तों से टमाटर का अखिल भारतीय औसत मूल्य 60 रुपए प्रति किलोग्राम के उच्चस्तर पर बना हुआ है। टमाटर की खुदरा कीमतें मायाबंदर में 140 रुपए प्रति किलोग्राम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में 127 रुपए प्रति किलोग्राम पर चल रही थीं। केरल के तिरुवनंतपुरम में टमाटर 125 रुपए प्रति किलोग्राम, पलक्कड़ और वायनाड में 105 रुपए प्रति किलोग्राम, त्रिशूर में 94 रुपए प्रति किलोग्राम, कोझीकोड में 91 रुपए प्रति किलोग्राम और कोट्टायम में 83 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। कर्नाटक में इसकी खुदरा कीमत मेंगलूर और तुमकुरु में 100 रुपए प्रति किलो, धारवाड़ में 75 रुपए प्रति किलो, मैसूर में 74 रुपए प्रति किलो, शिवमोगा में 67 रुपए प्रति किलो, दावणगेरे में 64 रुपए प्रति किलो थी और बेंगलुरु में 57 रुपए प्रति किलो चल रही थी। तमिलनाडु में भी टमाटर रामनाथपुरम में 102 रुपए प्रति किलो, तिरुनेलवेली में 92 रुपए प्रति किलो, कुड्डालोर में 87 रुपए प्रति किलो, चेन्नई में 83 रुपए प्रति किलो और धर्मपुरी में 75 रुपए प्रति किलो था। आंध्र प्रदेश में, विशाखापत्तनम में टमाटर 77 रुपए प्रति किलो और तिरुपति में 72 रुपए प्रति किलो पर बेचा गया, जबकि तेलंगाना में, वारंगल में टमाटर 85 रुपए प्रति किलो था। पुडुचेरी में सोमवार को टमाटर का खुदरा भाव 85 रुपए प्रति किलो था। महानगरों में सोमवार को मुंबई में टमाटर 55 रुपए प्रति किलो, दिल्ली में 56 रुपए किलो, कोलकाता में 78 रुपए किलो और चेन्नई में 83 रुपए किलो बिका।

बारिश के कारण टमाटर की फसल को हुआ नुकसान

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 26 नवंबर को कहा था कि उत्तरी राज्यों से ताजा फसल आने से दिसंबर से टमाटर की कीमतों में नरमी आने की संभावना है। पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बेमौसम बारिश के कारण सितंबर के अंत से खुदरा टमाटर की कीमतों में तेजी आई है। बारिश के कारण टमाटर की फसल को नुकसान हुआ और इन राज्यों से आवक में देरी हुई। उत्तर भारत के राज्यों से देरी से आवक के बाद तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में भारी बारिश हुई, जिससे आपूर्ति बाधित हुई और फसल को भी नुकसान हुआ। इसमें कहा गया है कि टमाटर की कीमतें अत्यधिक अस्थिर हैं और आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी तरह की बाधा या भारी बारिश के कारण कीमतों में तेजी आती है।

कृषि मंत्रालय के अनुसार, चालू वर्ष में टमाटर का खरीफ (गर्मी) उत्पादन 69.52 लाख टन है, जबकि पिछले साल 70.12 लाख टन टमाटर का उत्पादन हुआ था।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, नीतिगत दर बरकरार रखने की उम्मीद

मुंबई, (एजेंसी)

कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन की चिंता के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की तीन दिन की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक सोमवार को शुरू हुई। माना जा रहा है कि वायरस के नए स्वरूप की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता के चलते केंद्रीय बैंक नीतिगत दर के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखेगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुआई वाली एमपीसी की बैठक के नतीजों की घोषणा आठ दिसंबर को की जाएगी। अगर रिजर्व बैंक बुधवार को नीतिगत ब्याज दरें अपरिवर्तित रखता है, तो यह लगातार नौवां मौका होगा जब दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार दरों में 22 मई, 2020 को बदलाव किया था। हाउसिंग.कॉम, मकान.कॉम और प्रॉपटाइगर.कॉम के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ध्रुव अग्रवाल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सामान्य होने की ओर अग्रसर है। हालांकि, सरकार और एजेंसियों द्वारा समर्थन उपायों को धीरे-धीरे वापस लेने का कदम अभी दूर है। एंड्रोमेडा और अपनापैसा के सीईओ वी स्वामीनाथन ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप की वजह से मौद्रिक नीति समिति फिलहाल ब्याज दरों के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक अभी कोविड-19 के नए स्वरूप के जोखिमों को समझने का प्रयास करेगा और फिलहाल इंतजार करेगा। एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च की मुख्य विश्लेषण अधिकारी सुमन चौधरी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में मुद्रास्फीति में कमी से सरकार के अतिरिक्त कर्ज को लेकर चिंता कुछ कम हुई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति के सामान्यीकरण का कार्य जारी रहेगा, लेकिन विभिन्न केंद्रीय बैंक इसके लिए अपने हिसाब से रफ्तार तय करेंगे। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला ने कहा कि केंद्रीय बैंक को मौजूदा मौद्रिक समीक्षा बैठक में यथास्थिति को कायम रखने या असाधारण रूप से नरम मौद्रिक रुख को वापस लेने का संकेत देने के बीच से चुनाव करना होगा। बागला ने हालांकि कहा कि रिवर्स रेपो दर में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। केंद्रीय बैंक ने गत अक्टूबर में भी नीतिगत दरों को यथावत रखा था।

वियतनाम की अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस के कारण 37 अरब का नुकसान होने का अनुमान

हनोई (एजेंसी)।

वियतनाम की अर्थव्यवस्था को इस साल के अंत तक कोरोना महामारी के कारण करीब 37 अरब डॉलर का नुकसान होने का अनुमान है। यह जानकारी एक शीर्ष अधिकारी ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम की केंद्रीय समिति की कम्युनिस्ट पार्टी के तहत आर्थिक आयोग के उप प्रमुख गुयेन थान फोंग ने रविवार को राजधानी हनोई में आयोजित आर्थिक सुधार उपायों पर चर्चा करते हुए एक मंच पर यह टिप्पणी की। फोंग ने कहा कि अगर यह भयंकर महामारी के लिए नहीं होता, तो देश की अर्थव्यवस्था पिछले दो सालों में प्रति वर्ष 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती थी। हालांकि, वास्तव में, यह 2020 में 2.91 प्रतिशत बढ़ा और 2021 में केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि महामारी के प्रभाव का सामना करने के लिए, निवेश, निर्यात, घरेलू खपत और डिजिटल परिवर्तन जैसे चार विकास चालकों के साथ व्यापक रिकवरी समाधान होना आवश्यक है। वियतनाम ने अपने सामान्य सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, महामारी के गंभीर प्रभावों के कारण इस साल के पहले 9 महीनों में सकल घरेलू उत्पाद में 1.42 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की। देश अपने शीर्ष विधायिका द्वारा हाल ही में तय की गई योजना के तहत 2022 में 6 से 6.5 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करने का प्रयास करेगा।

4के मिनी एलईडी पैनल के साथ लॉन्च हुआ एसर का नया गेमिंग लैपटॉप

नई दिल्ली (एजेंसी)

पीसी ब्रांड एसर ने सोमवार को अपना नया गेमिंग लैपटॉप प्रीडेटर हेलिओस 500 भारतीय बाजार में 3,79,999 रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया है। यह लैपटॉप 11वीं जनरेशन के इंटेल कोर आई9 प्रोसेसर के साथ 5.01 गीगाहर्ट्ज तक के मल्टीपल कोर, एनवीआईडीआईए जीफोर्स आरटीएक्स 3080 लैपटॉप जीपीयू, 64 जीबी डीडीआर4 3200 मेगाहर्ट्ज मेमोरी, 4के मिनी एलईडी 120 हर्ट्ज डिस्प्ले, 5वीं जनरेशन के एयरोब्लेड 3डी फैन टेक्नोलॉजी के साथ आता है। एसर इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी सुधीर गोयल ने एक बयान में कहा, एसर में, हम लगातार उनके अनुभव और डिजाइन उत्पादों को उन्नत करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो रोमांच के लिए तैयार हैं। हम अपने भारतीय गेमिंग समुदाय के लिए नए शक्तिशाली प्रीडेटर हेलियोस 500 को पेश करने के लिए उत्साहित हैं और निर्बाध और इमर्सिव गेमिंग एक्शन के साथ डेस्कटॉप कैलिबर परफोर्मेन्स प्रदान करते हैं।

इसमें एयूओ एमएलईडी तकनीक द्वारा संचालित 4के मिनी एलईडी 120 हर्ट्ज के साथ 17.3 इंच का डिस्प्ले है जो बेस्ट कलर सेच्युरेशन और कंट्रास्ट के लिए पूर्ण-सरणी स्थानीय डिमिंग का सपोर्ट करता है। मशीन में प्रीडेटर पल्सर लाइटिंग, पेटेंटेड मैकेनिकल मैगटेक स्विच, थंडरबोल्ट 4 यूएसबी-सी पोर्ट और डीटीएस॰ एक्स अल्ट्रा सराउंड साउंड सिस्टम भी है, जो असाधारण रूप से उच्च-प्रदर्शन और इमर्सिव गेमिंग अनुभव के लिए है।

हेलियोस 500 में कई पोर्ट शामिल हैं- एक एचडीएमआई 2.1, एक मिनी-डीपी 1.4, दो यूएसबी टाइप-सी थंडरबोल्ट 4, तीन यूएसबी 3.2 जनरेशन 2 पोर्ट जो ऑफलाइन चार्जिंग और वनआरजे45 पोर्ट को सपोर्ट करते हैं। क्वाइट, डिफॉल्ट, एक्सट्रीम और टर्बो से चुनने के लिए चार मोड के साथ, कस्टम उपयोगिता ऐप यूजर्स को सिस्टम की निगरानी करने, ओवरक्लॉक करने, आरजीबी वरीयताओं को अनुकूलित करने और बहुत कुछ करने की अनुमति देता है। यह सब सिस्टम की क्षमता को अधिकतम करने के लिए तैयार किए गए एक व्यक्तिगत, सहज ज्ञान युक्त अंतरफलक के भीतर है। लैपटॉप एलो में धातु-मिश्र धातु बहुलक से बनी एक कस्टम-इंजीनियर तकनीक है जो सीपीयू के शीर्ष पर बैठती है और पूरे डिवाइस में उत्पन्न होने वाली गर्मी को वितरित करने का काम करती है।

टाटा ग्रुप Air India के लिए तैयार कर रहा 100 दिन का प्लान, सेवाओं को बेहतर बनाना मकसद

(एजेंसी):

एयर इंडिया को नई उड़ान देने के लिए टाटा ग्रुप ने तैयारी शुरू कर दी है। टाटा ग्रुप ने भारी कर्ज में डूबी सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया को हाल में खरीदा था और वह जनवरी 2022 में इसकी कमान अपने हाथों में ले सकता है। एयर इंडिया का कायापलट करने के लिए 100 दिन का एक ब्लूप्रिंट तैयार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया के सीईओ के लिए नाम शॉर्टलिस्ट कर दिया है और इसमें अमेरिका की डेल्टा एयरलाइन के पूर्व प्रेजिडेंट फेड रीड का नाम सबसे आगे चल रहा है। 100 डे प्लान के तहत एयर इंडिया की ऑन-टाइम परफॉरमेंस में सुधार के साथ यात्रियों और कॉल सेंटरों से जुड़ी शिकायतें दूर करना शामिल हैं। एक सूत्र ने कहा कि 100 डे प्लान का मकसद मूल सेवा से जुड़े मानकों में सुधार लाना है। इन चीजों को पहले 100 दिन में पूरी तरह दुरुस्त नहीं किया जा सकता है लेकिन उनमें सुधार किया जा सकता है। ऑन-टाइम परफॉरमेंस और यात्रियों की शिकायत के आंकड़े हर महीने आते हैं और अगर इनमें कोई सुधार आता है तो हर कोई इसे देख सकता है।

कंपनी ने क्या कहा

टाटा ग्रुप ने इस मामले में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कंपनी ने एक ईमेल के जवाब में कहा कि अभी एयर इंडिया शेयर-परचेज ट्रांजैक्शन चल रहा है। हम इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जब तक डील पूरी नहीं हो जाती है तब तक हम किसी भी अटकलबाजी पर टिप्पणी करने से परहेज करेंगे।

टाटा ग्रुप की कंपनी **Talace Pvt Ltd** ने एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस में पूरी हिस्सेदारी और ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी **AISATS** में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सफल बोली लगाई थी। सरकार जनवरी के तीसरे हफ्ते में एयर इंडिया को टाटा ग्रुप को सौंपने की तैयारी में है। **Directorate General of Civil Aviation** द्वारा अक्टूबर में जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक यात्रियों की शिकायत के मामले में एयर इंडिया तीसरे नंबर पर रही।

भारत /न्यूजीलैंड : भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 से जीती सीरीज, मुंबई टेस्ट में स्पिनर्स का जलवा रहा बरकरार

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए वानखेड़े टेस्ट को 372 रनों से जीत लिया है। यह भारतीय टेस्ट की सबसे बड़ी जीत है। इसी के साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज को 1-0 से जीत लिया है। न्यूजीलैंड की टीम 540 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 167 रन पर आउट हो गई। भारत ने अपनी पहली पारी में 325 रन बनाए थे जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 62 रन पर सिमट गई थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी 7 विकेट पर 276 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।

स्पिनर्स का छाया जादू

भारतीय स्पिनर्स ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को ताश के पत्तों की तरह बिखेर दिया। आर अश्विन और जयंत यादव ने 4-4 विकेट चटकाए। जबकि अक्षर पटेल ने एक विकेट हासिल किया है। अश्विन ने 22.3 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट हासिल किए हैं। इसी के साथ ही भारत ने लगातार 14 घरेलू सीरीज में जीत दर्ज की है। वहीं विराट कोहली की अगुवाई वाली टेस्ट टीम एक भी घरेलू टेस्ट को गंवाया नहीं है।

कानपुर टेस्ट हुआ था ड्रा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेला गया पहला टेस्ट मुकाबला ड्रा हुआ था। इस मुकाबले में स्पिनर्स ने कमाल की गेंदबाजी की लेकिन कीवियों को ऑलआउट करने में असफल रहे थे। रवींद्र जडेजा, आर अश्विन और अक्षर पटेल की फिरकी के सामने बड़े से बड़ा कीवी बल्लेबाज नहीं टिक पाया था लेकिन युवा राचिन रवींद्र ने 91 गेंद खेलकर मुकाबले को भारत के हाथों से छीनकर ड्रा करा दिया था।

एजाज पटेल ने रचा इतिहास

मुंबई में जन्में बायें हाथ के स्पिनर ऐजाज पटेल ने एक पारी में सभी 10 विकेट चटकाकर इतिहास रचा है। इसी

के साथ ही एजाज पटेल टेस्ट क्रिकेट के 144 साल के इतिहास में तीसरे गेंदबाज बने हैं। उन्होंने इंग्लैंड के जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले जैसे दिग्गजों की बराबरी कर ली। लेकर ने 1956 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैनचेस्टर में यह कमाल किया था। जबकि कुंबले ने पाकिस्तान के खिलाफ दिल्ली में फरवरी 1999 में 10 विकेट झटके थे। इतना ही नहीं एजाज पटेल ने दूसरी पारी में 4 विकेट चटकाए।

पहली बार भारत घरेलू सरजमीं पर खेलगा डेविस कप मुकाबला, डेनमार्क की करेगा मेजबानी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत अगले साल चार और पांच मार्च को डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के विश्व ग्रुप एक के मुकाबले में डेनमार्क की मेजबानी करेगा। फरवरी 2019 के बाद से यह पहली बार होगा कि भारत घरेलू सरजमीं पर डेविस कप मुकाबला खेलगा। भारत ने इससे पहले फिनलैंड (2021), क्रोएशिया (2020) और कजाकिस्तान (2019, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए) की यात्रा की थी। भारत ने फरवरी 2019 में अपनी सरजमीं पर इटली की मेजबानी की। कोलकाता में खेले गये इस मुकाबले में उसे 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

डेनमार्क के पास होल्गर रूण (103 वीं रैंकिंग) के रूप में एकल वर्ग में ऐसा खिलाड़ी है जिसकी रैंकिंग भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर है। इसके बावजूद घरेलू परिस्थितियों के कारण भारत का पलड़ा भारी होगा। भारत और डेनमार्क की टीमों ने डेविस कप में सिर्फ दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। 1927 में कोपनहेगन में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया तो वही सितंबर 1984 में भारत ने आरहूस में खेले गये मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारतीय कोच जीशान अली ने कहा, '' शुक्र है कि कई टाई के बाद हमें घरेलू मैच मिला है। पिछले दो मुकाबले हमारे लिए कठिन थे, हमने क्रोएशिया से खेला जिसने डेविस कप फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद हमने फिनलैंड खेला और सभी को लगा कि फिनलैंड एक आसान टीम है, लेकिन ऐसा नहीं था।'' उन्होंने कहा, '' कागज पर भारत को एक मजबूत टीम माना जाता है, लेकिन रामकुमार रामनाथन (विश्व रैंकिंग 190) को छोड़कर हमारे पास एकल में शीर्ष 200 (रैंकिंग) में कोई नहीं है। लंबे समय से हमारे पास शीर्ष-100 का कोई खिलाड़ी नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' हम हमेशा अंडरडॉग (जीत के कम दावेदार) रहे है लेकिन डेविस कप में हमारे खिलाड़ियों ने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है।'' जीशान का मानना है कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि इस मुकाबले के लिए कौन से खिलाड़ी उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा, ''पिछली बार हमारा शीर्ष खिलाड़ी हमारे साथ नहीं था, युकी भांबरी चोटिल था। अगर हमारे पास पूरी ताकत वाली टीम होगी तो अच्छा मौका होगा। अगर सुमित (नागल) मार्च तक फिट हो जाता है और और युकी भी चयन के लिए उपलब्ध रहता है तो हमारे पास डेनमार्क को हराने का अच्छा मौका होगा।'' प्रजनेश गुणेश्वरन (215) शीर्ष 200 रैंकिंग से बाहर हो गए हैं और हाल ही में कूल्हे की चोट से उबरने के लिए ब्रेक लेने वाले सुमित अब 218 वें स्थान पर हैं। रामकुमार ने हाल ही में एक चैलेंजर प्रतियोगिता जीतकर शीर्ष 200 में फिर से प्रवेश किया।

नया रिकॉर्ड: 132 साल बाद मुंबई टेस्ट में नया इतिहास, 2 टेस्ट के लिए 4 कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत मुंबई में हो रहा है, न्यूजीलैंड दोनों टीमों ने 132 साल बाद टीमों के बीच दूसरे टेस्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया। मुंबई में भारत, न्यूजीलैंड टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच चल रहा है। कानपुर में पहले टेस्ट में भारतीय टीम अंतिम क्षण में जीत ने महल को छोड़ दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे 284 रन न्यूजीलैंड जब टीम हार की कगार पर थी तब पटेल और रवींद्र ने आखिरी विकेट के लिए जोड़ी बनाकर भारतीय टीम से जीत छीन ली। मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ क्योंकि उस समय प्रकाश की कमी के कारण मैच रुक गया था क्योंकि वे दूसरी पारी में 9 विकेट का अंतिम विकेट लेने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इन दोनों टेस्ट में दोनों टीमों के कप्तान बदल गए हैं। रहाणे ने कानपुर टेस्ट के लिए भारतीय टीम की कप्तानी की। रहाणे नियमित कप्तान कोहली के

आने के कारण मुंबई में चल रहे दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। गोलकीपर कप्तान ने कार्यभार संभाल लिया है और भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। विलियमसन ने कानपुर टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी की। लेकिन विलियमसन को कोहनी में चोट लग गई। मुंबई टेस्ट प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया। उनकी जगह टॉम लैथम ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली है। तो दोनों टीमें दो टेस्ट मैचों के लिए 4 कप्तान टीम का नेतृत्व किया। क्रिकेट में इस तरह से दो टेस्ट में 4 कप्तानों की टीम का नेतृत्व करना बहुत दुर्लभ है। पिछली बार ऐसा 1889 में दो समान टेस्टों के लिए हुआ था 4 कप्तान सक्रिय थे। इंग्लैंड की टीम ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया। दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास तब दो मैचों के लिए दो कप्तान थे, ओवेन टनल और विलियम मिल्टन। इसी तरह इंग्लैंड की टीम में दो कप्तान स्मिथ और मोंटी बोडेन थे। लगभग 132 साल बाद 2 समान टेस्ट मैचों के लिए 4 कप्तान उन्होंने अभिनय और टीम का नेतृत्व करके एक रिकॉर्ड बनाया है।

हर संभव कोशिश के बावजूद पर्थ में पांचवां टेस्ट होना असंभव : सीए सीईओ

सिडनी (एजेंसी)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने सोमवार को कहा कि उन्होंने हर संभव कोशिश की है कि पर्थ में 14 जनवरी से पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट को कराया जाए, लेकिन दुर्भाग्य से यहां मैच होना असंभव है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम को एशेज टेस्ट की मेजबानी से बाहर कर दिया गया है क्योंकि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) ने टीमों और प्रसारण कर्मचारियों के लिए अपने कड़े कोविड-19 प्रोटोकॉल में ढील देने से इनकार कर दिया। डब्ल्यूए प्रोटोकॉल के अनुसार, राज्य में आने वाले किसी भी व्यक्ति को 14 दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना आवश्यक है। सिडनी में 9 जनवरी को चौथे एशेज टेस्ट के समापन और 14 जनवरी को होने वाले पर्थ टेस्ट के लिए, केवल पांच दिन ही बचते है, जिसके कारण यहां टेस्ट मैच

कराना संभव नहीं है। हॉकले ने सोमवार को ट्वीट करते हुए कहा, हमने इस मौजूदा सीमा और स्वास्थ्य व्यवस्था के तहत काम करने के लिए डब्ल्यूए सरकार और डब्ल्यूए क्रिकेट के साथ मैच कराने की हर संभव कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से यह कामयाब नहीं रहा। हॉकले ने आगे कहा, हम पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशंसकों के लिए विशेष रूप से निराश हैं, जो नए स्टेडियम में पहली बार एशेज टेस्ट देखने के लिए उत्सुक थे।

शानदार उद्घाटन समारोह के साथ लंका प्रीमियर लीग की शुरुआत

कोलंबो। लंका प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन की शुरुआत यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई। रंग और उत्साह के बीच रविवार रात श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, खेल मंत्री नमल राजपक्षे और जनरल शैवेंद्र सिल्वा विशाल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि रहे। पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता दिनेश प्रियंथा ने भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और टी20 फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट की शुरुआत की घोषणा की। समारोह के दौरान श्रीलंका में क्रिकेट के लिए जबरदस्त जुनून देखा गया क्योंकि विभिन्न कलाकारों ने लंका प्रीमियर लीग की शुरुआत में गीत एकवा जयगामु की धुन पर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कोलंबो स्टार्स के कप्तान और श्रीलंकाई दिग्गज एंजेलो मैथ्यूज ने कहा, आप जानते हैं, सभी देशों में इस तरह का टूर्नामेंट होता है और इससे देश के क्रिकेट को फायदा होता है क्योंकि आप बहुत सारे युवा खिलाड़ी लाकर उन्हें मौका देते हैं। एलपीएल खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा मंच है और इससे श्रीलंका क्रिकेट को बहुत फायदा होने वाला है। लंका प्रीमियर लीग में खेलने वाली पांच टीमें होंगी, जिसमें गाले ग्लेडियेटर्स, जाफना किंग्स, दांबुला जायंट्स, कैंडी वारियर्स और कोलंबो स्टार्स टीमें शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 21 जनवरी को होगी आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप मैचों की घोषणा

दुबई (एजेंसी)।

अगले साल 21 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के मैचों की घोषणा की जाएगी। इस बात की जानकारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को दी।

ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट सात स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें एडिलेड, ब्रिस्बेन, जिलॉन्ग, होबार्ट, मेलबर्न, पर्थ और सिडनी शामिल हैं। इन जगहों पर अगले साल 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच कुल 45 मैच खेले जाएंगे और एरोन फिंच की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यूएई में न्यूजीलैंड को हराकर अपना पहला आईसीसी टी20 विश्व कप जीता था। आईसीसी ने कहा, अगले साल टी20 विश्व कप 11 महीने से भी कम समय में होना है, जिसके लिए अगले साल 21 जनवरी 2022 को मुकाबलों की घोषणा की जाएगी। घोषणा के साथ प्रशंसकों के लिए 7 फरवरी 2022 को टिकटों की बिक्री शुरू की जा सकती है।

टी20 विश्व कप का फाइनल 13 नवंबर 2022 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा, जबकि सेमीफाइनल सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) और एडिलेड ओवल में 9 और 10 नवंबर को खेले जाएंगे। आईसीसी ने इस साल नवंबर में घोषणा की थी कि टी20 विश्व कप 2021 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और उपविजेता न्यूजीलैंड के अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को सीधे सुपर 12 में प्रवेश मिलेगा। नामीबिया, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज क्वालीफाइंग राउंड में खेलेंगे।

फार्मूला वन रेस: हैमिल्टन ने सऊदी अरब ग्रैंड प्रिक्स जीता

जेद्दा। मौजूदा चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने सऊदी अरब ग्रैंड प्रिक्स जीतकर अंतिम रेस से पहले मैक्स वर्सटाप्पन के साथ फार्मूला वन खिताब की दौड़ रोचक बना दी। इन दोनों प्रतिद्वंद्वी ड्राइवर के अब बराबर अंक हैं। अब दोनों प्रतिद्वंद्वी अबुधाबी में होने वाली आखिरी रेस में खिताबी दौड़ में एक दूसरे को पीछे छोड़ने का प्रयास करेंगे। हैमिल्टन ने लगातार तीसरी रेस जीतकर अपने अंकों की संख्या वेरस्टैपेन के

समान 369.5 पर पहुंचा दी है। ब्रिटेन का यह ड्राइवर अब आठवां खिताब जीतने और माइकल शूमाकर से आगे निकलने के करीब पहुंच गया है। अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स एफ-1 इतिहास के सबसे रोमांचक सीजन में से एक है, हैमिल्टन और वेरस्टैपेन 369.5 अंकों के साथ बराबर पर हैं। कंस्ट्रक्टर्स स्टैंडिंग में, मर्सिडीज ने रेड बुल के 559.5 पर 587.5 अंक की बढ़त बना ली है। फरारी 307.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

रूस ने क्रोएशिया को हराकर डेविस कप खिताब जीता

मैड्रिड, 6 दिसम्बर (आईएएनएस)। रूस ने 15 साल बाद डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रूसी स्टार दानिल मेदवेदेव ने सिलिच को 7-6 (7), 6-2 से हराया। इससे रूस को क्रोएशिया पर 2-0 की बढ़त मिली। यह रूस का 2006 के बाद पहला डेविस कप खिताब है। रूस के दानिल मेदवेदेव ने इस जीत के बाद एटीपीटूर डॉट कॉम में कहा, यह शानदार अहसास है। मैं खुद से ज्यादा टीम के लिए खुश हूं। यह लगातार पांचवां मैच है जबकि विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने डेविस कप में जीत दर्ज की है। उन्होंने तीन महीने पहले नोवाक जोकोविच को हराकर यूएस ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी जीता था। इससे पहले आंद्रे रूबलेव ने बोर्ना गोजो को हराकर रूस को मैड्रिड एरेना में खेले गए डेविस कप फाइनल में शुरुआती बढ़त दिलाई। रूबलेव ने यह मुकाबला सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (5) से जीता। रूस ने 2002 में भी डेविस कप खिताब जीता था। रूस की तरह क्रोएशिया भी अपने तीसरे खिताब की तलाश में था। उसने 2005 और 2018 में खिताब जीता था। लेकिन रूस ने उसके तीसरे खिताब की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

कैसे बना वॉचमैन का बेटा 'सर जडेजा' ? पढ़िए उनके जीवन के कुछ अनसुने किस्से

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आज अपना 33वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए कुल 168 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं। जिनमें उन्होंने 37.36 के औसत से 188 विकेट हासिल किए। वहीं उन्होंने दमदार बल्लेबाजी भी की। इस दौरान उन्होंने 13 अर्धशतकीय पारियां खेली और कुल 2411 कीमती रन भारतीय टीम के लिए बनाए। ऐसे में हम आपको रवींद्र जडेजा से जुड़े हुए कुल दिलचस्प किस्से सुनाएंगे।

वॉचमैन के बेटे ने बनाई अपनी जगह

रवींद्र जडेजा का जन्म 6 दिसंबर, 1988 को सौराष्ट्र के बेहद ही गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में वॉचमैन थे। मुश्किल हालातों में जीवन यापन करने वाले रवींद्र जडेजा के पिता अनिरुद्धसिन्ह चाहते थे कि उनका बेटा भारतीय सेना में अफसर बने लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। रवींद्र जडेजा को क्रिकेट का काफी सौख था और उन्होंने खुद की साख बनाने के लिए काफी मेहनत और संघर्ष किया था। सर %जडेजा% के नाम से प्रसिद्ध रवींद्र जडेजा ने अंडर-19 क्रिकेट से अपने कॅरियर की शुरुआत की। इतना ही नहीं साल 2008 में उन्होंने विश्व कप खिताब जीतने वाले अंडर-19 भारतीय टीम में उपकप्तान की भूमिका निभाई।

आरआर से की थी आईपीएल कॅरियर की शुरुआत

देश को आईसीसी खिताब जिताने वाले महानतम कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से ज्यादा मैच फीस लेने वाले रवींद्र जडेजा ने साल 2008 में राजस्थान रॉयल्स से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के कॅरियर की शुरुआत की थी और अब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते हैं। आपको बता दें कि सीएसके ने आईपीएल 2022 के लिए रवींद्र जडेजा को धोनी से ज्यादा फीस देकर रीटेन किया है।

कैसा रहा कॅरियर

रवींद्र जडेजा ने साल 2009 में भारत के लिए पहला एकदिवसीय और पहला टी20 मैच खेला। उन्होंने अपना पहला एकदिवसीय और टी20 मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ खेला था। साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम में न सिर्फ शामिल थे बल्कि उपकप्तान भी थे। उन्हें शुरुआती दौर में काफी उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ा था और खराब फॉर्म की वजह से चर्चा से भी बाहर हो गए थे। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में खेले गए आईपीएल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने के लिए भारतीय टीम में सर जडेजा की वापसी हुई। इसी साथ उन्हें टेस्ट खेलने का भी मौका मिला। उनके कॅरियर को निखारने में पूर्व

कप्तान धोनी का भी अहम योगदान रहा है।

धोनी के संन्यास लेने के बाद कई मुकाबलों में भारतीय एकादश में जगह नहीं मिली लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर उन्होंने वापसी की। साल 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करने वाले जडेजा ने 57 मुकाबलों की 108 पारियों में 24.85 के औसत से 232 विकेट हासिल किए। वहीं उन्होंने 57 मुकाबलों की 84 पारियों में एक शतक और 17 अर्धशतक की बदौलत 2195 रन बनाए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंडे मौसम का गर्म फैशन

“ विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेसेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैंगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैंगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां:-

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

➢ वूलन बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं।

इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।

➢ आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटेबल है।

➢ यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।

➢ आप जिस फेब्रिक को खरीद रहें, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फ्लो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?

➢ ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अगेंस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय थ्री फोर्थ या लांग जैकेट पहनें। लांग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टोल लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शेड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फंकी जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कंफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिमर के साथ ही मैटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न्स वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा...

नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

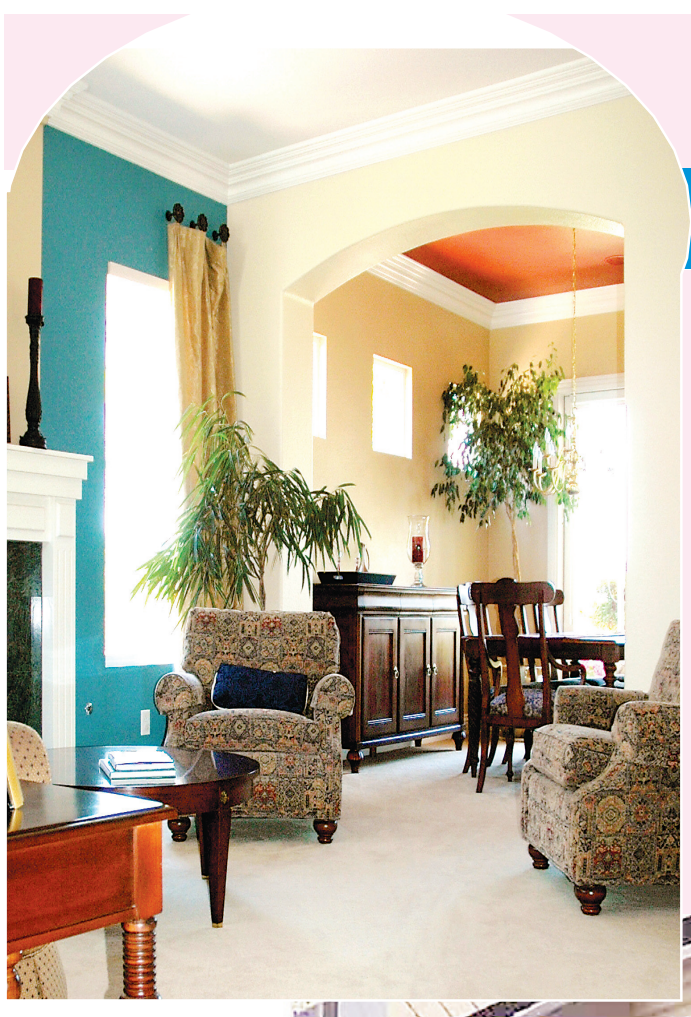

➢ भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हैण्डपम्प, कुंआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात ईशान कोण ही सही रहता है।

➢ भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।

➢ खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।

➢ दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।

➢ खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।

➢ वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।

➢ भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।

➢ जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुम्बकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।

➢ द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।

➢ प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।

➢ प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।

➢ द्वार स्वतः ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

समग्रीः- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

विधिः- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई की पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें।

तत्पश्चात बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेकें, जब तक सिंकने की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंकें। जब सिंकने की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर की 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

सामग्रीः- एक लीटर गाढ़ा दूध, 25 भीगे हुए बादाम, 100 चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची पावडर, केसर कुछेक लच्छे।

विधिः- रात को भिगोए हुए बादाम का छिलका निकाल कर उसे मिक्सी में महीन पीस लें। एक कटोरी में थोड़ी मात्रा में दूध लेकर उसमें केसर भिगो दें। दूध को थोड़ी देर तक उबालें, फिर उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोडी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इटली में टीका नहीं लगवाने वालों के खिलाफ नये प्रतिबंध, थिएटर जाने पर लगी रोक

मिलान। इटली छुट्टियां नजदीक आने के साथ ही टीका नहीं लगवाने वाले लोगों के लिए जीवन को और अधिक असहज बना रहा है। ऐसे लोगों को कोरोना वायरस के प्रसार को कम करने के लिए चारदीवारी के अंदर चलने वाले रेस्तरां, थिएटर और संग्रहालयों में जाने की इजाजत नहीं दी गई है और टीकों को लेकरसंशय जताने वालों को खुराक प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सोमवार से 15 जनवरी तक,

इतालवी पुलिस जांच कर सकती है कि रेस्तरां या बार में भोजन करने वालों के पास ÷सुपर÷ ग्रीन हेल्थ पास है या नहीं जो यह प्रमाणित करता है कि उन्हें या तो टीका लगाया गया है या वे हाल में वायरस से उबर चुके हैं। लोगों के स्वास्थ्य पास की स्थिति की जांच करने वाले स्मार्ट फोन ऐप्लिकेशन को अपडेट किया जाएगा और केवल हाल में कोविड-19 की जांच में नेगेटिव पाए गए लोगों को अब संगीत-फिल्म कार्यक्रमों या प्रदर्शनों में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नए ओमीक्रोन स्वरूप के बारे में चिंताएं पैदा होने से पहले ही, इटली में कोविड-19 के नये मामले पिछले छह हफ्तों से धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। यह एक चिंताजनक बात है क्योंकि इतालवी लोग दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने के लिए छुट्टियों की पार्टियों और मिलने-जुलने की योजना बनाते हैं। पिछले साल संक्रमण में भारी वृद्धि के कारण क्रिसमस यात्रा और छुट्टियों की सभाओं को सख्ती से सीमित कर दिया गया था। जर्मनी और ऑस्ट्रिया दोनों ही टीकों को अनिवार्य बनाने की ओर बढ़ रहे हैं, इसके बजाय इटली वर्ष के सबसे खुशनुमा समय में टीका नहीं लगवाने वालों पर प्रतिबंधों को कड़ा कर रहा है - जबकि टीकाकरण करने वालों को कमोबेश सामान्य जीवन जीने की अनुमति है।

प्राइवेट पार्ट में बम लगाकर अस्पताल पहुंचा शख्स, आतंकी हमले के डर से सदमे में डॉक्टर्स

नई दिल्ली। हम सब जानते हैं कि हर इंसान एक जैसा नहीं होता हैं, न उनकी एक जैसी हरकतें होती है और न हीं एक जैसे शौख। इंसान का दिमाग कई बार बहुत ही अलग-अलग स्तर की कल्पनाएं करता हैं, और उन कल्पनाओं को कई बार निजी जीवन में भी उतारने की कोशिश करता हैं। कल्पना और सच्चाई एक दूसरे के काफी विपरीत होते हैं। असल जिंदगी में इनका कोई नाता नहीं होता हैं लेकिन कई बार इंसान इसे समझ नहीं पाता हैं। आज हम आपको एक ऐसी घटना के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें एक शख्स का शौख उसके जी का जंजाल बन गया। ये शौख उसे इतना भारी पड़ गया कि उसकी जिंदगी भी खतरें में आ गयी। द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन में रहने वाला एक शख्य जो सेना का पूर्व कर्मचारी था। वह दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अपने देश के लिए लड़ा भी था। इस शख्स को हथियारों को अपने पास रखने का एक अलग शौख था. पूर्व आर्मी के जवान ने अपने घर पर एक म्युजियम बना रखा था जिसमें बहुत ही पुराने और विश्व युद्ध के दौरान के बम-हथियार भी थे। हाल ही में इस शख्स को अपने संग्राहय में जाने का मन हुआ। वहां वह व्यक्ति साफ सफाई भी करने लगा लेकिन अचानक उसका पैर फिसल गया और वह बुरी तरह नीचे गिर गया। जिस जगह पर वह गिरा वहा दूसरे विश्व युद्ध का एक बम रखा था जो जाकर उसके प्राइवेट पार्ट में जाकर फंस गया। सेंसटिव जगह पर ऐसा होने के कारण वह व्यक्ति बदहवास हो गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर जाया गया।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटने की घटना में मरने वालों की संख्या 14 हुई

लूमागंज (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया की घनी आबादी वाले द्वीप जावा में ज्वालामुखी फटने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, वहीं नौ लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुलगते मलबे के कारण तलाश अभियान में बाधा आ रही है। जावा द्वीप पर सबसे ऊंचे ज्वालामुखी के फटने के एक दिन बाद बचावकर्मीसुलगते मलबे और गीली मिट्टी में जीवित बचे लोगों को तलाशने में लगेहैं। पूर्व जावा प्रांत के लूमागंज जिले में सेमेरू पर्वत में ज्वालामुखी फटने पर आकाश में 40,000 फुट की ऊंचाई पर राख की चादर बिछ गई साथ ही गैस और लावा बहता हुआ नीचे के स्थानों पर आ गया। भूगर्भीय सर्वेक्षण केन्द्र के प्रमुख इको बुड़ी लेलोनो ने बताया कि तूफान और कई दिनों तक बारिश होने के कारण 3,676 मीटर की ऊंचाई पर सेमेरू पर्वत पर ज्वालामुखी फटा। जिला प्रमुख टी हक ने कहा, ''घनी राख के कारण कई गांवों में अंधेरे का आलम है। सैकड़ों लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है और कुछ लोग खुद ही सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।'' इंडोनेशिया के ज्वालामुखी और भूवैज्ञानिक जोखिम शमन एजेंसी के अनुसार, गर्म गैस और लावा का प्रवाह शनिवार को कम से कम दो बार और रविवार को तीन बार, दो किलोमीटरकी दूरी से लेकर पास की नदी में 11 किलोमीटर तक गयी। अधिकारियों ने ज्वालामुखी के प्रकोप के कारण अपने-अपने निवास स्थान छोड़कर गए हजारों लोगों को रविवार को वापस नहीं लौटने की चेतावनी दी।

बेल्जियम में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार की, आंसू गैस के गोले दागे

ब्रसेल्स। बेल्जियम में पुलिस ने कोरोना वायरस के मामलों को बढ़ने से रोकने के लिए लगायी सख्त पाबंदियों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए रविवार को पानी की बौछार का इस्तेमाल कियाऔर आंसू गैस के गोले दागे। सरकार ने संक्रमण के नये मामले बढ़ने के कारण लगातार तीसरे हफ्ते शुक्रवार को नयी पाबंदियों की घोषणा की, जिसके विरोध में हजारों प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से मार्च किया। ''आजादी, आजादी'' चिल्लाते हुए और ''हमारी आजादी, अधिकारों और हमारे बच्चों के लिए एकजुट'' होने के बैनर के साथ प्रदर्शनकारियों ने यूरोपीय संघ मुख्यालय की ओर मार्च किया। रविवार को जब करीब 100 प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के अवरोधकों को हटाने की कोशिश की तो उनमें से ज्यादातर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया गया। पुलिस के साथ झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उन पर कचरा और अन्य सामान फेंका। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया और आंसू गैस के गोले दागे। अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

ओमिक्रॉन अधिक संक्रामक, मगर डेल्टा से कम खतरनाक : इजरायली वैज्ञानिक

यरूशलेम (एजेंसी)। अपने स्पाइक प्रोटीन पर 30 से अधिक उत्परिवर्तन के साथ ओमिक्रॉन वेरिएंट, डेल्टा, अल्फा और कोरोना वायरस के अन्य वेरिएंटों के रूप में खतरनाक नहीं हो सकता है, जिसने अब तक दुनिया भर में पांच मिलियन से अधिक लोगों की जान ली है। हालांकि, वेरिएंट अधिक संक्रामक प्रतीत होता है। इजराइल में हदासाह-हिब्रू यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के एक वैज्ञानिक ने इसकी जानकारी दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ओमिक्रॉन लगभग 38 देशों में फैल गया है, लेकिन अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। एक वरिष्ठ प्रोफेसर और चिकित्सक ड्रोर मेवोराच को यरूशलेम पोस्ट को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था, हमें बहुत सावधानी के साथ रहना है, लेकिन अगर हम वर्तमान में उपलब्ध जानकारी को देखें, तो यह मानने का कारण है कि वेरिएंट तेजी से फैल रहा है, लेकिन शायद यह इतना खतरनाक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के तशवाने डिस्ट्रिक्ट ओमिक्रॉन वेरिएंट पेशेंट प्रोफाइल ने दिखाया कि पिछले दो हफ्तों में अस्पताल में भर्ती होने वाले 80 प्रतिशत लोग 50 वर्ष से कम आयु के लोग थे, जिनमें से अधिकांश को ऑक्सीजन समर्थन की आवश्यकता नहीं थी। मेवोराच ने कहा, इसे कई तरीकों से समझाया जा सकता है, जिसमें रोगियों की कम उम्र भी शामिल है, या यह कि ओमिक्रॉन वेरिएंट का कोर्स हल्का है। कुछ विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव दिया है कि यदि ओमिक्रॉन अधिक संक्रामक लेकिन हल्का है, तो यह कोरोना को फ्लू के समान बना सकता है। मेवोराच ने यह कहते हुए सहमति व्यक्त की कि यह वास्तव में दुनिया के लिए अच्छी खबर होगी। मुझे लगता है कि हमें टीकाकरण वाले लोगों के संक्रमित होने के संकेत मिले हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी बीमारी हल्की है। अगर ऐसा है, तो उन्होंने कहा कि अलग-अलग परिदृश्य सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें यह स्वीकार करने की आवश्यकता हो सकती है कि कुछ लोग बीमार होने जा रहे हैं और उनका इलाज एंटीवायरल उपचार के साथ करें जो उपलब्ध होने वाले हैं, या टीकों को अधिक प्रभावी होने के लिए थोड़ा सा बदलाव किया जा सकता है। हालांकि, मुझे वास्तव में यकीन नहीं है कि हमें इसे करने की आवश्यकता होगी। पहला विकल्प काफी अच्छा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेवोराच ने यह भी आशा व्यक्त की कि बूस्टर द्वारा दी गई सुरक्षा लंबे समय तक चलेगी। उन्होंने कहा, मैंने इम्यूनोलॉजिकल अध्ययनों में जो देखा है वह यह है कि बूस्टर वास्तव में एंटीबॉडी को बढ़ाता है, और मुझे लगता है कि यह लंबे समय तक चलने वाली प्रतिरक्षा देगा। इस बीच, इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इजराइल में ओमिक्रॉन कोविड-19 वेरिएंट के मामलों की संख्या सात से बढ़कर 11 हो गई है।

नफ्ताली बेनेट ने की अपील, कहा ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लगाम कसने के लिए उसके खिलाफ कड़ा रूख अपनाए जाए

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने रविवार को विश्व शक्तियों से अपील की कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लगाम कसने के लिए उसके खिलाफ कड़ा रूख अपनाए जाएं। परमाणु समझौते को फिर से शुरू करने के लिए विश्व शक्तियों की ईरान के साथ वार्ता को लेकर इजराइल चिंतित है। ईरान ने पिछले हफ्ते वियना में वार्ता बहाल होने पर अपने कड़े रूख से पीछे हटने के संकेत दिए और कहा कि पिछले दौर की वार्ता में जो चर्चाएं हुईं थी उन पर फिर से बातचीत हो सकती है। साथ ही ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम की गति धीमी नहीं कर रहा है, जिसका असर वार्ता पर पड़ सकता है। वियना में हुई वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर फिर से प्रतिबंध लगाना है। ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते का इजराइल विरोधी रहा है और उसका कहना है कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर लगाम कसने में यह कारगर साबित नहीं होगा और इजराइल के साथ लगते देशों में ईरान की सेना की संलिप्तता का समाधान भी इससे नहीं होगा।

देश में धार्मिक मामलों पर शिकंजा कसने की तैयारी में चीन, आस्थाओं को कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों के अनुरूप ढालना है मकसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग में आयोजित एक राष्ट्रीय धार्मिक कार्य सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ÷धर्म के सिनिसाइजेशन÷ (वह प्रक्रिया जिसके द्वारा गैर-चीनी समाज चीनी संस्कृति, विशेष रूप से हान लोगों की संस्कृति, भाषा, सामाजिक मानदंडों और जातीय पहचान के प्रभाव में आते हैं) पर विशेष जोर देने के साथ, धर्म पर और कड़े नियंत्रण का आह्वान किया है। बैठक चीन में मुसलमानों और ईसाइयों पर दमनकारी नियंत्रण के व्यापक आरोपों के साथ-साथ धर्मों पर देश की बढ़ती कड़ी निगरानी की पृष्ठभूमि में हुई। वीओन की रिपोर्ट के अनुसार धार्मिक मामलों से संबंधित सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि धार्मिक नेताओं की लोकतांत्रिक निगरानी में सुधार करना और धार्मिक कार्यों में कानून के शासन पर जोर देना और कानून के शासन के बारे में गहन प्रचार और शिक्षा आवश्यक है।

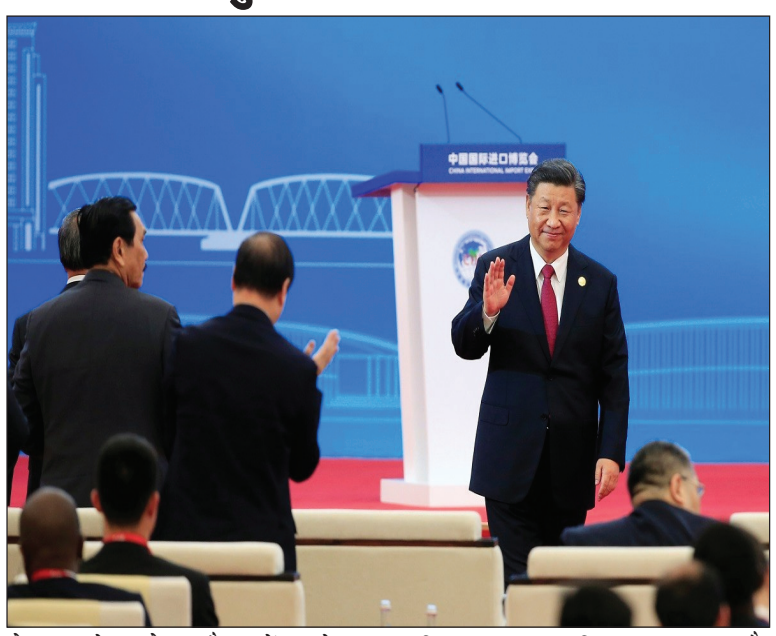

सिनिसिजेशन में तिब्बतियों, मुसलमानों और ईसाइयों का एक चीनी संस्कृति में एकीकरण और आत्मसात करना शामिल है। देश की राजनीतिक विचारधारा और नियमों का पालन करने के लिए भी विस्तारित है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2016 के बाद हो रहे पहली बार हो यह सम्मेलन हो रहा है। इसमें अगले कुछ वर्षों के लिए चीन के धार्मिक मामलों और उनके विनियमन पर मानकों को निर्धारित किया गया। शी ने कहा कि चीन में धार्मिक मामलों को देश के समाजवादी समाज के अनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने धार्मिक क्षेत्र में अधिक राष्ट्रवाद, सामूहिकता, समाजवाद और इतिहास की बेहतर समझ का आग्रह किया। गौरतलब है कि पिछले महीने चीन धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के लिए अमेरिका द्वारा 'विशेष चिंता वाले देशों' के रूप में नामित कई देशों में से एक था।

इमरान की मिन्नतों के बाद पाकिस्तान को मिला सऊदी से खैरात, 3 अरब डॉलर के कर्ज से दूर होगी कंगाली?

चंडीगढ़। (एजेंसी। भीख का कटोरा लिए पाकिस्तान के इमरान ने न जाने सऊदी अरब के सामने कितनी मन्नतें की, पैर पकड़ें तब जाकर पाकिस्तान को वो खैरात मिला जिसे पाने के लिए इमरान महीनों से पसीना बहा रहे थे। कंगाल पाकिस्तान को सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर का कर्ज मिल गया। पाकिस्तान ने अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए सऊदी अरब से सहायता मांगी थी। यह राशि उसी का हिस्सा है। वित्त और राजस्व पर प्रधानमंत्री के सलाहकार शौकत तरीन ने पुष्टि की कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) को सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की राशि प्राप्त हुई है। पाकिस्तान को सऊदी अरब से वित्तीय सहायता प्रधानमंत्री इमरान खान के रियाद दौरे और युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ बातचीत करने के एक महीने से अधिक समय बाद मिली है। समझौते के मुताबिक सऊदी अरब पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर देने की बात हुई। जिसके तहत पाकिस्तान को 4 फीसदी की दर से सालाना ब्याज अदा करनी होगी। इसके साथ ही सऊदी अरब की तरफ से पाकिस्तान को हर महीने 10 करोड़ डॉलर का तेल भी उधार देने की बात हुई। जिसपर पाकिस्तान को 3.5 फीसदी ब्याज देने होंगे। लेकिन इमरान की चिंता इस बात की है कि कर्ज पर लगने वाला ब्याज पाकिस्तान सरकार कहां से लाएगा। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की हालात दिनों-दिन खराब होती जा रही थी। नवंबर के आखिरी हफ्ते में पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में 24.4 करोड़ डॉलर की गिरावट आई थी। आलम ये हो गया था कि विदेशों में पाकिस्तानी दूतावास तक में पैसों की किल्लत हो गई थी।

पाकिस्तान में भीड़ के हमले में मारे गए श्रीलंकाई व्यक्ति का शव कोलंबो भेजा गया, पत्नी ने लगाई इंसाफ की गुहार

लाहौर। (एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मारे गए श्रीलंकाई नागरिक का शव सोमवार को विमान से कोलंबो भेज दिया गया। हमलावर लोगों ने इस व्यक्ति की हत्या के बाद उसके शव को आग लगा दी थी। लकड़ी के जिस ताबूत में शव रखा गया, उस पर लिखा था, ''दिवंगत डोन नंदश्री पी कुमारा दियावदनागे के मानव अवशेष। लाहौर से कोलंबो तक।''

कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों सहित 800 से अधिक लोगों की भीड़ ने पिछले शुक्रवार को लाहौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित सियालकोट जिले में एक कपड़ा कारखाने पर हमला किया और उसके महाप्रबंधक दियावदनागे की हत्या कर दी तथा उनके शव को आग लगा दी। पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने कहा, ''श्रीलंकाई उच्चायोग के अधिकारी सोमवार सुबह यहां पहुंचे और पंजाब के अल्पसंख्यक मंत्री एजाज आलम ने लाहौर हवाई अड्डे पर शव उन्हें सौंपा। शव श्रीलंकन एअरलाइंस के विमान में ले जाया गया।'' उन्होंने बताया कि विमान दोपहर बाद कोलंबो के लिए रवाना हो गया।

ओमीक्रोन से पुनः संक्रमण का जोखिम अपेक्षाकृत अधिकः सिंगापुर स्वास्थ्य मंत्रालय

सिंगापुर। (एजेंसी। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि विश्व स्तर पर शुरुआती क्लीनिकल निरीक्षण बताते हैं कि कोविड-19 का 'ओमीक्रोन' स्वरूप इसके अन्य स्वरूपों 'डेल्टा' और 'बीटा' के मुकाबले कहीं अधिक संक्रामक हो सकता है तथा इससे पुन÷ संक्रमण का जोखिम भी अधिक हो सकता है। 'चैनल न्यूज एशिया' ने मंत्रालय के हवाले से रविवार को अपनी खबर में कहा, ''इसका अर्थ यह है कि कोविड-19 से उबर चुके लोगों के ओमीक्रोन स्वरूप से पुनः पीड़ित होने का जोखिम अधिक है।''

शहर में रविवार को एक और व्यक्ति के ओमीक्रोन से पीड़ित होने की शुरुआती पुष्टि हुई। जो व्यक्ति वायरस के इस स्वरूप से संभवत÷ पीड़ित पाया गया है वह एक दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका से यहां आया और वह उसी विमान में सवार था जिसमें दो अन्य रोगी भी थे। इस रोगी का टीकाकरण भी हो चुका था।

रविवार को सिंगापुर में कोविड-19 के 552 नए मामले सामने आए तथा 13 रोगियों की मौत हुई। मंत्रालय ने कहा कि बीते कई दिनों में उसने दक्षिण अफ्रीका तथा अन्य देशों की खबरें देखीं और सूचना एकत्रित करने के लिए प्रभावित देशों में विशेषज्ञों से सक्रिय संवाद किया। चैनल ने मंत्रालय के हवाले से कहा,

''वायरस के नए स्वरूप के खिलाफ कोविड-19 टीके प्रभावी हैं या नहीं इस बारे में अध्ययन चल रहे हैं लेकिन दुनियाभर के वैज्ञानिक ऐसा मान रहे हैं कि कोविड-19 रोधी वर्तमान टीके ओमीक्रोन स्वरूप पर भी काम करेंगे और लोगों को गंभीर रूप से बीमार होने से बचाएंगे।''

मंत्रालय ने पात्र लोगों से टीकाकरण करवाने या बूस्टर डोज लगवाने का अनुरोध करते हुए कहा कि वैज्ञानिक इस बात पर दृढ़ता से सहमत हैं कि ऐसा करने से वायरस के किसी भी वर्तमान स्वरूप या भविष्य के किसी भी अन्य स्वरूप से रक्षा हो सकेगी।

म्यांमार की अदालत ने अपदस्थ नेता सू ची को चार साल कैद की सजा सुनाई, अब नहीं लड़ पाएंगी चुनाव

बैंकॉक। (एजेंसी)। म्यांमार की राजधानी में एक विशेष अदालत ने देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को लोगों को उकसाने और कोरोना वायरस संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने का दोषी करार देते हुए सोमवार को चार साल कैद की सजा सुनाई। एक कानूनी अधिकारी ने यह जानकारी दी। देश की सत्ता पर एक फरवरी को सेना के कब्जा के बाद से, 76 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता पर चलाए जा रहे कई मुकदमों में से पहले मामले में यह सजा मिली है। सैन्य तख्तापलट ने उनकी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी की सरकार को अपना पांच साल का दूसरा कार्यकाल शुरू करने से रोक दिया था। अगले सप्ताह की शुरुआत में अन्य आरोपों के सिलसिले में अपदस्थ नेता को फैसले का सामना करना पड़ सकता है। अगर वह सभी मामलों में दोषी पाई जाती हैं, तो उन्हें 100 साल से अधिक की जेल की सजा हो सकती है। कानूनी अधिकारी ने कहा कि अदालत ने सोमवार को यह स्पष्ट नहीं किया कि सू ची को इसके लिए जेल भेजा जाएगा या उन्हें नजरबंद रखा जाएगा।

लोकतंत्र के लिए अपने लंबे संघर्ष में, उन्होंने 1989 से शुरू करते हुए अब तक 15 साल तक नजरबंदी में बिताए हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि सू ची को उकसाने के मामले में हिरासत में पहले से ही बिताए गए 10 महीने का समय सजा से कम किया जाएगा, जिससे उन्हें उस आरोप में केवल एक साल और दो महीने की सजा काटनी होगी। कोरोना वायरस प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के आरोप में इस तरह की कोई कमी नहीं की जाएगी। सजा पर तुरंत ही कठोर आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएं दी जाने लगीं। म्यांमा में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र की पूर्व विशेष अधिकारी यांगी ली ने आरोपों के साथ-साथ फैसले को बकवास बताया। उन्होंने कहा कि देश में कोई भी मुकदमा अनुचित है क्योंकि न्यायपालिका सैन्य-स्थापित सरकार के अधीन है। अधिकार समूहों ने भी फैसले की निंदा की।

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इसे म्यांमार में सभी विरोधों को खत्म करने और स्वतंत्रता का दम घोंटने के लिए सेना के दृढ़ संकल्प का नवीनतम उदाहरण कहा। म्यांमार के सैन्य नेताओं के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे पड़ोसी चीन ने सू ची के खिलाफ फैसले की आलोचना करने से इनकार कर दिया। सू ची के खिलाफ उकसावे का यह मामला, उनकी पार्टी के फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए बयान से जुड़ा हुआ है, जब कि उन्हें और पार्टी के अन्य नेताओं को सेना ने पहले ही हिरासत में ले लिया था। कोरोना वायरस प्रतिबंध उल्लंघन का आरोप पिछले साल नवंबर में चुनाव से पहले एक अभियान में उनकी उपस्थिति से जुड़ा था। चुनाव में उनकी पार्टी ने भारी जीत हासिल की थी। सेना, जिसकी सहयोगी पार्टी चुनाव में कई सीटें हार गई, उसने बड़े पैमाने पर मतदान धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, लेकिन स्वतंत्र चुनाव पर्यवेक्षकों ने किसी भी बड़ी अनियमितता की बात नहीं कही। सू ची के मुकदमे की सुनवाई मीडिया और दर्शकों के लिए बंद हैं, और उनके वकीलों, जो कार्यवाही पर जानकारी का एकमात्र स्रोत हैं, उन्हें अक्टूबर में जानकारी जारी करने से मना करने के आदेश दिए गए थे। कानूनी अधिकारी ने कहा कि बचाव पक्ष के वकील आने वाले दिनों में सू ची और सोमवार को दोषी ठहराए गए दो सहयोगियों के लिए भी अपील दायर कर सकते हैं।

सू ची के खिलाफ मामलों को व्यापक रूप से उन्हें बदनाम करने और अगले चुनाव में

उनके भाग लेने से रोकने की साजिश के रूप में देखा जा रहा है। देश का संविधान किसी को भी दोषी ठहराकर जेल भेजे जाने के बाद उच्च पद हासिल करने या जन प्रतिनिधि बनने से रोकता है। सैन्य तख्तापलट के 10 महीने बाद भी सैन्य शासन का मजबूती से विरोध जारी है और इस फैसले से तनाव और भी बढ़ सकता है। सैन्य सरकार के खिलाफ रविवार को विरोध मार्च निकाला गया और सू ची और उनकी सरकार के हिरासत में लिए गए अन्य सदस्यों की रिहाई की मांग की गई। अपुष्ट खबरों के मुताबिक सेना का एक ट्रक यांगून में एक मार्च में शामिल 30 युवा लोगों के बीच जानबूझकर घुस गया और इस घटना में कम से कम तीन प्रदर्शनकारी मारे गए।

कोरोना वैक्सीन न लगवाने को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक बार फिर तंज किया

कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर सीएम योगी ने फिर किया अखिलेश पर कटाक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ की सभा में कोरोना वैक्सीन न लगवाने को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक बार फिर तंज किया। उन्होंने कहा कि वे कोरोना वैक्सीन को बीजेपी और मोदी जी की वैक्सीन कहते थे। बोले-'अब तो अब्बाजान भी वैक्सीन लगवा चुके हैं। आप भी लगवा लें। नया वैरिएंट आ गया है। वैक्सीन लगवा लेंगे तो शायद सच बोलने लगेंगे।' उन्होंने अखिलेश पर कटाक्ष किया कि जब हम यहां कोरोना में मरीजों का हाल ले रहे थे तब अखिलेश इंग्लैंड घूम रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 76।14 करोड़ रुपए की लागत वाली आजमगढ़ की 32 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास। इसके साथ ही लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रमाण-पत्रों का वितरण भी किया। उन्होंने आजमगढ़ में जल्द ही एयरपोर्ट बनाने और हवाई सेवा शुरू करने का वादा किया। सीएम ने कहा कि ये काम सपा, बसपा या कांग्रेस ने नहीं किया। उनके लिए सिर्फ अपना परिवार ही प्रदेश और देश था। मोदी जी के लिए पूरा देश और मेरे लिए उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता ही परिवार है। मुलायम सिंह यादव आजमगढ़ से सांसद रहे। प्रदेश में सपा की सरकार रही लेकिन विकास सिर्फ सैफई का होता रहा। आजमगढ़ पिछड़ा ही रहा। सपा के साथ बसपा और कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब इन दलों की सरकार थी इन्होंने प्रदेश और देश की जनता के लिए कुछ नहीं किया। सपा के राज में माफियाओं की सम्पत्ति बढ़ी। आजम खां जैसे लोग दलितों का उत्पीड़न करते थे। आज माफियाओं की संपत्तिपर बुल्डोजर चल रहा है तो विपक्षा को दर्द हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियां जब सत्ता में थीं तो गरीब का अनाज खा लिया जाता था।

गरीब को कुछ नहीं मिलता था। लोग, डर के माहौल में जीते थे। उन्होंने कहा कि जब कोरोना का आतंक था तब बुआ-बबुआ, भाई-बहन सब गायब थे। सिर्फ भाजपा के लोग, हम लोग मदद कर रहे थे। जो संकट का साथी हो वही असली साथी होता है।

जनवरी-फरवरी में आ सकता हैं ओमिक्रॉन वैरिएंट का पीक,नए साल के जश्न में खलल पड़ सकता

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट बी.1.1.1.529 का पता चलने से भारत में भी चिंताएं बढ़ा दी है। देश में ओमिक्रॉन के मामलों की कुल संख्या 21 हो गई है। इस बीच, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया दिल्ली में विदेशों से आ रही फ्लाइट में प्रभावित देशों से आ रहे सभी लोगों का टेस्ट किया जा रहा है। अब तक 27 लोगों को दिल्ली सरकार के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल लाया गया है, जिसमें से 17 लोग पॉजिटिव मिले हैं, 10 उनके क्लोज कॉन्टैक्ट हैं। 17 में 12 की जीनोम सिक्वेंसिंग हो चुकी है और एक में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई है। ओमिक्रॉन को फैलने से रोकने का सबसे प्रभावी तरीका अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को प्रतिबंधित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसा बताया जा रहा है कि ओमिक्रॉन के पूरी तरह असर दिखाने में वायरस के अन्य स्वरूपों की तुलना में अधिक समय लग सकता है। इसका अर्थ है, कि हवाई अड्डे पर जांच के दौरान संक्रमित व्यक्ति में संक्रमण का पता नहीं चलने की संभावना है।सभी मामले इससे प्रभावित अन्य देशों से जुड़े हैं।

जैन ने कहा कि इस बात की 99 प्रतिशत संभावना है कि मास्क कोविड-19 के सभी वैरिएंट से लोगों का बचाव कर सकता है-भले ही वह अल्फा हो, बीटा हो, डेल्टा हो या ओमिक्रॉन हो।उन्होंन कहा कि विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 की तीसरी लहर जनवरी-फरवरी में आ सकती है।

यदि हर कोई मास्क पहनता है,तब तीसरी लहर को रोका जा सकता है।केंद्र सरकार के अनुसार,जिन देशों को 'खतरे' वाले देशों की सूची में डाला गया है,उनमें ब्रिटेन सहित यूरोपीय देश,दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, चीन, मॉरिशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हांगकांग, इजराइल शामिल हैं। दिल्ली में 37 वर्षीय व्यक्ति 'ओमिक्रॉन' से संक्रमित पाया गया है, दिल्ली में कोरोना के इस नए वैरिएंट से जुड़ा पहला मामला है। रांची के रहने वाले मरीज ने तंजानिया से दोहा की यात्रा की थी और फिर दो दिसंबर को कतर एयरवेज की उड़ान के जरिए दोहा से दिल्ली पहुंचा था। उन्होंने बताया कि संक्रमित व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में करीब एक सप्ताह ठहरा था।

संक्रमित व्यक्ति कोविड वैक्सीन की दोनों डोज भी ले चुका है।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष का दावा गजेंद्र सिंह शेखावत होंगे 2023 के चुनाव में बीजेपी के सीएम कैंडिटेट

नई दिल्ली । कांग्रेस के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को दावा किया कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत राज्य में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की हालिया राजस्थान यात्रा का जिक्र करते हुए डोटासरा ने यहां यह दावा किया।उन्होंने कहा कि गृहमंत्री शाह के कार्यक्रमों में बाड़मेर के सांसद कैलाश चौधरी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को बोलने का मौका तक नहीं दिया गया। डोटासरा ने कहा,'' स्थानीय किसान नेता व बाड़मेर से सांसद कैलाश चौधरी को साथ नहीं लेना व उनके फोटो तक को जगह नहीं देना, स्पष्ट संकेत है कि गजेंद्र सिंह आने वाले समय में राजस्थान में मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे।'उल्लेखनीय है कि गृहमंत्री शाह ने रविवार को जयपुर में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक व बाद में भाजपा के जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित किया। डोटासरा ने रविवार को भी कहा था, ''शाह का जयपुर दौरा अपने मित्र केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का चेहरा बनाने का प्रयास करने भर तक सीमित रहा है।

30 करोड़ की काली कमाई विदेशों में छुपाई

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने दिल्ली के एक व्यक्ति के पास कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये की काली कमाई का पता लगाया है जिसने टैक्स से बचने के लिए विदेश में एक ट्रस्ट और एक कंपनी बनाई हुई थी। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में संबंधित व्यक्ति के ठिकानों पर 24 नवंबर को छापेमारी की गई थी। सीबीडीटी के मुताबिक, इस करदाता ने कम टैक्स वाले विदेशी क्षेत्र में एक लाभार्थी ट्रस्ट और एक कम्पनी बनाई हुई थी। तलाशी अभियान में पता चला कि कम टैक्स वाले विदेशी अधिकार क्षेत्र में आनी वाली इन अघोषित संस्थाओं के पास अचल एवं चल संपत्ति के रूप में 40 करोड़ रुपये की संपत्ति है। यह करदाता एक विदेशी बैंक का लाभ भी ले रहा था, जिसकी भारत में शाखाएं हैं। यह बैंक धन प्रबंधन, वित्तीय योजना, परिसंपत्ति आवंटन, इक्विटी अनुसंधान, निश्चित आय, निवेश रणनीतियों और प्रत्ययी सेवाएं देता है। सीबीडीटी ने बताया कि ई-मेल और उपलब्ध दस्तावेजों से इन तथ्यों की पुष्टि हुई है। इसके व्यावसायिक परिसरों की तलाशी के दौरान 'हार्ड डिस्क' में बैंक खातों सहित अन्य दस्तावेज भी मिले हैं। सीबीडीटी ने कहा कि इस तरह के एकत्रित सबूतों के प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि भारत में किए गए कारोबार से 30 करोड़ रुपये की घरेलू आय को कम करके दिखाया गया है।

एमपी के सीमावर्ती राज्यों में ओमिक्रोन के मामले सामने आने के बाद बढ़ाई चौकसी

भोपाल (एजेंसी)।

कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के देश में कई मामले सामने आने के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य की सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है। प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने जानकारी देते हुए कहा कि पड़ोसी राज्यों में पाए जाने वाले ओमिक्रोन संस्करण के मामलों के मद्देनजर कई एहतियाती कदम उठा रहे है। नरोत्तम मिश्रा ने यह भी कहा कि मप्र में पिछले 24 घंटों के दौरान 17 नए कोरोना मामले पाए गए हैं जिनमें इंदौर में 6 और राज्य की राजधानी भोपाल में 8 शामिल हैं। मध्य प्रदेश पांच राज्यों के साथ अपनी सीमा साझा करता है और उनमें से तीन - महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात में ओमिक्रोन संस्करण का पता चला है। अब तक एमपी में नए संस्करण का कोई मामला सामने नहीं आया है। मिश्रा ने कहा कि पड़ोसी राज्यों में ओमाइक्रोन के मामलों के बाद, हम मध्य प्रदेश की सीमाओं पर निगरानी बढ़ा रहे हैं और सावधानी बरत रहे हैं। उन्होंने लोगों से सावधान रहने की अपील की, और कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के प्रयास कर रही है। सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं और संसाधनों की व्यवस्था की गई है। तीसरी लहर को रोकने के लिए सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। राज्य में आवश्यक चिकित्सा ऑक्सीजन से अधिक है और पर्याप्त संख्या में जीवन रक्षक गैस के पौधे शुरू किए गए है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के बिस्तरों, गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) और रेमडेसिविर जैसी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रविवार शाम तक, मध्य प्रदेश में कुल सीओवीआईडी -19 टैली 7,93,241 थी, जिसमें 7,82,580 रिकवरी और 10,528 मौतें शामिल थीं। राज्य में प्रशासित कोरोना वैक्सीन खुराक की संख्या रविवार शाम को नौ करोड़ का आंकड़ा पार कर गई।

द्विपक्षीय वार्ता में विदेश मंत्री जयशंकर बोले, भारत-रूस के संबंध स्थिर और मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ सोमवार को द्विपक्षीय वार्ता में कहा कि भारत और रूस के संबंध अनूठे हैं और तेजी से बदलती भू-राजनीतिक दुनिया में उल्लेखनीय रूप से स्थिर एवं मजबूत बने हुए हैं। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोयगू और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव अपने भारतीय समकक्षों के साथ 'टू प्लस टू' वार्ता करने के लिए रविवार रात यहां पहुंचे। 'टू प्लस टू' वार्ता से पहले जयशंकर ने लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। जयशंकर ने बैठक की शुरुआत में कहा, 'भारत और रूस के संबंध अनूठे हैं। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक दुनिया में, यह वास्तव में उल्लेखनीय रूप से स्थिर एवं मजबूत बने रहे हैं। मैं इस अवसर पर इस बात को भी रेखांकित करना चाहूंगा कि हम अपने द्विपक्षीय संबंधों तथा अपने सहयोग की स्थिति से बहुत संतुष्ट हैं।' इस 'टू प्लस टू' वार्ता के बाद दिन में दोनों मंत्री राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाले शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। जयशंकर ने कहा, 'हमारे लिए, वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन एक बड़ा कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच रिश्तों में गहरा विश्वास है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद वार्षिक शिखर सम्मेलन हो रहा है। हमें इस शिखर सम्मेलन से काफी उम्मीदे हैं।' भारत और रूस इस शिखर सम्मेलन में रक्षा, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने के लिए कई समझौते करेंगे। शिखर सम्मेलन तथा रक्षा और विदेश मंत्री स्तरीय 'टू-प्लस-टू' वार्ता में दोनों पक्ष अफगानिस्तान में स्थिति और लश्कर-ए-तैयबा तथा जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों समेत आतंकवाद के बढ़ते खतरे पर भी बातचीत करेंगे।

सशस्त्र बलों में अधिकारी सहित 1.22 लाख से अधिक पद रिक्त : अजय भट्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने सदन को बताया कि सशस्त्र बलों में अधिकारी स्तर के 9362 पद सहित कुल 1,22,555 पद रिक्त हैं। इनमें सर्वाधिक रिक्त पदों की संख्या भारतीय सेना में है। सेना में 1,04,653 पद रिक्त हैं। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने यह जानकारी दी। सशस्त्र बलों में रिक्त पड़े हुए पदों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में अधिकारियों के 7476 जबकि अन्य 97,177 पद रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना में अधिकारी स्तर के 621 और अन्य 4850 पद रिक्त हैं जबकि भारतीय नौ सेना में अधिकारी स्तरीय 1265 और अन्य 11,166 पद रिक्त हैं। यह पूछे जाने पर कि किन-किन रेजिमेंट में सर्वाधिक रिक्तियां हैं, भट्ट ने कहा, 'यह कमी भारतीय सेना की सभी शाखाओं और सेवाओं में फैली हुई है। सशस्त्र बलों में रिक्तियों को भरने की दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में पूछे जाने पर भट्ट ने कहा कि सरकार ने इसके लिए अनेक उपाय किए हैं। उन्होंने कहा, 'इनमें, अन्य बातों के साथ-साथ सुस्थिर छवि प्रदर्शन, कैरियर मेलों और प्रदर्शनियों और सशस्त्र बलों में चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक करियर का लाभ उठाने के संबंध भें युवाओं के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए प्रचार अभियान शामिल हैं।' भट्ट ने कहा कि युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, अन्य शिक्षण संस्थानों और राष्ट्रीय कैडेट कार्प्स (एनसीसी) कैंपों में नियमित रुप से प्रेरणाप्रद व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''इसके अलवा, सरकार ने सशस्त्र बलों में पदोन्नति अवसरों में सुधार करने सहित सशस्त्र बलों में सेवा को आकर्षक बनाने और रिक्तियों को भरने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार जनजातीय युवाओं को सैन्य बलों में जाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अमृत महोत्सव के अवसर पर बिरसा मुंडा रेजीमेंट सृजित करने पर विचार करेगी, भट्ट ने कहा, 'स्वतंत्रता के बाद सरकार की यह नीति रही है कि किसी भी विशेष श्रेणी, समुदाय धर्म या क्षेत्र के लिए किसी नए रेजीमेंट की स्थापना नहीं की जाएगी।' उन्होंने कहा कि इस विषय पर सरकार की नीति के अनुसार, सभी नागरिक अपनी जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र अथवा धर्म पर विचार किए बिना भारतीय सेना में भर्ती के लिए पात्र हैं।

लोकसभा- नगालैंड मुद्दा उठा,

मृतकों के परिजनों को अपेक्षित मुआवजा एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग

कांग्रेस के प्रद्युत बारदोलोई ने आरोप लगाया, नगालैंड में सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून का कर रहे दुरूपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी), कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना, जदयू, राकांपा और बसपा सहित विभिन्न दलों के सदस्यों ने पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड में सुरक्षा बलों की कथित गोलीबारी में कम से कम 14 आम लोगों के मारे जाने का मुद्दा सोमवार को उठाया तथा इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने, मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने तथा गृह मंत्री से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह बहुत संवेदनशील विषय है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर विस्तृत बयान देंगे। शून्यकाल के दौरान लोकसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए नगालैंड से नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के सांसद तोखेहो येपथोमी ने कहा कि नगालैंड-असम सीमा के पास घटी यह घटना अत्यंत दुखद है जिसमें कामकाज से लौट रहे श्रमिक मारे गए। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी आई है कि अर्द्धसैनिक बलों को यह सूचना मिली थी कि ट्रकों में उग्रवादी जा रहे हैं और इसके बाद सुरक्षा बलों की अंधाधुंध गोलीबारी में कई श्रमिक मारे गए। बाद में उत्तेजित ग्रामीणों और सुरक्षा बलों में संघर्ष हुआ और फिर गोलीबारी में कुछ और लोग मारे गए। येपथोमी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से नगा मुद्दे के समाधान के लिये राजनीतिक वार्ता चल रही है, लोग काफी उम्मीद लगाये हुए हैं। राज्य में यह हॉर्नबिल उत्सव का समय है और क्रिसमस का त्योहार आने वाला है। ऐसे में इस प्रकार की दुखद घटना अत्यंत निंदनीय है।एनडीपीपी सांसद ने कहा कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (आफ्स्पा) की समीक्षा होनी चाहिए तथा इस घटना की निष्पक्ष जांच की जाए और कानून का पालन किया जाए। इस विषय को उठाते हुए कांग्रेस के गौरव गोगोई ने कहा कि 4-5 दिसंबर को नगालैंड में जो घटना घटी, उसे 'काला दिवस' के रूप में स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लोग शांति चाहते हैं, रोजगार चाहते हैं... ऐसे में पर्याप्त खुफिया जानकारी नहीं होने पर गोलीबारी में देश के लोगों के मारे जाने की यह घटना निंदनीय है। गोगोई ने कहा कि इस घटना के संबंध में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए। द्रमुक के टी आर बालू ने कहा कि नगालैंड में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में आम लोगों की मौत की घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस घटना की उचित जांच की जानी चाहिए और पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है।

नगालैंड में एनएससीएन जैसे गुट सक्रिय हैं, ऐसे में हमें सतर्क रहना चाहिए और वहां शांति सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वहां श्रमिकों की इस प्रकार से मौत निंदनीय है, इनके परिजनों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए तथा सभी को एकजुट रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

ओमिक्रॉन को देखकर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों को डिस्पोजल लिनेन देना शुरु किया

नई दिल्ली। कोरोना के नए ओमिक्रॉन वेरिएंट के खतरे को देखकर पश्चिम रेलवे ने एक्सप्रेस ट्रेनों के यात्रियों को डिस्पोजल लिनेन देने का फैसला किया है।शुरुआती दौर में चार ट्रेनों में इसकी शुरुआत की गई है।रेलवे द्वारा दिए जा रहे डिस्पोजल लिनेन पैकेट में एक कंबल, एक तकिया व उसका कवर, एक चादर, मास्क, सेनिटाइजर और नैपकिन होगा। पश्चिम रेलवे के मुताबिक जिन 4 ट्रेनों में इस तरह के डिस्पोजल लिनेन दिए जा रहे हैं, उसमें अगस्त क्रांति, राजधानी एक्सप्रेस, गोल्डन टेम्पल एक्सप्रेस और पश्चिम एक्सप्रेस का नाम शामिल है।इन ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्री महज 150 रुपये में डिस्पोजल लिनेन के पैकेट को खरीद सकते हैं।कोरोना के नए वेरिएंट को देखकर यह फैसला लिया गया है। इससे घर से इन सब चीजों को लाने वाले यात्रियों का न सिर्फ बोझ कम होगा, बल्कि घर से लाने में भूलने की स्थिति ने उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।इतना ही नहीं, यात्रा खत्म होने के बाद इसका इस्तेमाल करने वाले यात्रियों से रेलवे खुद डिस्पोजल लिनेन कलेक्ट करके उस डिस्पोज करेगा, इससे कोरोना संक्रमण के फैलने का खतरा भी नहीं रहेगा। रेलवे के मुताबिक ट्रेनों के फिर से सामान्य होने के बाद वह फिर से पहले जैसा लिनेन देने की तैयारी थी, लेकिन कोरोना के नए ओमिक्रॉन वेरिएंट को देखकर फैसले को आगे के लिए टाल दिया गया और उसकी जगह डिस्पोजल लिनेन मुहैया कराने की शुरुआत की गई है।पश्चिम रेलवे के मुताबिक आने वाले दिनों में जल्द ही इसे कई अन्य ट्रेनों में देने की भी शुरुआत की जाएगी, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा भी न रहे और यात्री सुरक्षित तरीके से यात्रा कर सकें।

जनता की राय पर आधारित होगा यूपी में कांग्रेस का घोषणापत्र प्रियंका गांधी ने की बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को यूपी में घोषणा पत्र कमेटी और कैंपेन कमेटी के साथ बैठक में विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जनता की राय से तैयार किए घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने पर चर्चा। प्रियंका गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के घोषणा पत्र में युवाओं, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों, वंचित वर्गों समेत सभी तबकों की आवाज को जगह दी गई है। उन्होंने कहा कि यूपी कांग्रेस का घोषणा पत्र उत्तर प्रदेश की प्रगति का रास्ता तैयार करने वाला दस्तावेज होगा। इस बैठक के बाद कांग्रेस ने एक ट्वीट किया, जिसमें लिखा गया, ÷कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका जी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर घोषणा पत्र व कैंपेन कमेटी के साथ आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बैठक की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के घोषणा पत्र में प्रत्येक वर्ग के मुद्दों को सम्मिलित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनावी मैदान में उतरी हुई है। हाल के दिनों में प्रियंका गांधी सूबे में बेहद सक्रीय रही हैं और लगातार योगी सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रही हैं। कांग्रेस ने पहले ही एलान कर दिया है कि इस बार के चुनाव में वो 40 फीसदी सीटों पर महिलाओं को टिकट देगी। इसके अलावा प्रियंका ये भी कह चुकी हैं कि कांग्रेस इस बार सूबे में अकेले ही चुनाव लड़ेगी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर भीड़ से निपटने के लिए लागू होगी विशेष नीति

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे से बचने के लिए प्रयास जारी कर दिए गए हैं। इस बीच दिल्ली हवाई अड्डे पर भीड़ के कुप्रबंधन से बचने के लिए विशेष तरीका अपनाया जाएगा। इसको लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। गौरतलब है कि दिल्ली एयरपोर्ट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं, जिसमें भीड़ का कुप्रबंधन दिखाई दे रहा है। ऐसे मे कोविड का नया वैरिएंट के संक्रमण का खतरा और बढ़ गया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया की ओर से बुलाई गई इस बैठक में दिल्ली एयरपोर्ट, एएआई, कोविड-19 टेस्ट लैब कंपनी के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, दिल्ली में कई लोग बाहर से आते हैं। ऐसे में यहां पर जांच बढ़ाने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष योजना बनाई जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार के खतरे से बचा जा सके।

अटारी सीमा पर फंसी पाक महिला ने दिया बच्चे को जन्म, नाम रखा 'बॉर्डर'

नई दिल्ली । पाक से सटी भारतीय अटारी सीमा पर करीब 70 दिनों से फंसे एक पाक दंपति ने 2 दिसंबर को अपने बच्चे को जन्म दिया। बॉर्डर पर बच्चे का जन्म होने की वजह से इस दंपति ने नवजात का नाम ही 'बॉर्डर' रखा दिया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के राजनपुर जिले के निवासी नींबू बाई और बलम राम अन्य पाकिस्तानी नागरिकों के साथ कई दिनों से बॉर्डर पर रह रहे हैं। नींबू बाई को 2 दिसंबर को प्रसव पीड़ा हुई। खबर के मुताबिक, महिला को प्रसव पीड़ा में देख पास के पंजाब गांव से कई अन्य महिलाएं डिलीवरी में मदद के लिए पहुंची। अन्य सुविधाओं के अलावा स्थानीय लोगों ने मां और बच्चे के लिए चिकित्सकीय व्यवस्था भी की। नींबू बाई और बलम राम ने बताया कि भारत-पाक सीमा पर बच्चे का जन्म होने की वजह से उन्होंने अपने बच्चे का नाम बॉर्डर रख दिया। महिला के पति ने बताया कि वह और अन्य पाकिस्तानी नागरिक भारत तीर्थ पर आए थे लेकिन आवश्यक दस्तावेज न होने की वजह से ये सब बॉर्डर पर ही फंस गए। यहां पर रह रहे 97 लोगों में से 47 बच्चे हैं। इनमें से छह बच्चों का जन्म भारत में हुआ और इनकी उम्र एक साल से कम है। बलम राम के अलावा, उसी टेंट में रहने वाले एक अन्य पाकिस्तानी नागरिक लाग्या राम ने भी अपने बेटे का नाम 'भारत' रखा है। उनका बेटा जोधपुर में साल 2020 में जन्मा था। लाग्या अपने भाई से मिलने जोधपुर आए थे लेकिन वापस पाकिस्तान नहीं जा सके। बता दें कि अटारी बॉर्डर पर अंतरराष्ट्रीय चेक पोस्ट के पास ये परिवार टेंट लगाकर रह रहे हैं। यहां स्थानीय लोग इन्हें दिन में तीन बार का खाना, दवाएं और कपड़े देते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुलमर्ग में ठंड ने ठिठुराया, न्यूनतम तापमान शून्य से सात डिग्री नीचे गिरा

श्रीनगर ।

मौसम के बदलते मिजाज के चलते कश्मीर घाटी में मशहूर पर्यटक स्थल गुलमर्ग के अलावा सभी स्थानों पर सोमवार को न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से अधिक रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने सप्ताह के मध्य में बारिश का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में रविवार रात को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह घाटी का सबसे ठंडा क्षेत्र रहा। घाटी में अन्य स्थानों पर रविवार रात न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से अधिक रहा। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में रविवार की रात तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस रहा। पहलगाम में तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा।उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस, जबकि कोकरनाग में 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार और गुरुवार को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी का पूर्वानुमान जताया है। इससे केन्द्र शासित प्रदेश में रात के समय तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने का अनुमान है।

महाराष्ट्र के 12 भाजपा विधायकों को एक साल के लिए निलंबित किए जाने के मामले सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के 12 भाजपा विधायकों को एक साल के लिए विधान सभा से निलंबित किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। मालूम हो कि इनको पीठासीन अधिकारी से कथित बदसलूकी के आरोप में विधान सभा से निलंबित कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा, जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। अधिवक्ता सिद्धार्थ धर्माधिकारी ने दलील दी कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है जिसे देखते हुए विधायकों के निलंबन के खिलाफ दाखिल याचिका पर तुरंत सुनवाई की दरकार है। महाराष्ट्र सरकार 22 से 28 दिसंबर के बीच विधानसभा का शीतकालीन सत्र बुला रही है। निलंबित भाजपा विधायकों ने निलंबन संबंधी विधानसभा के प्रस्ताव को 22 जुलाई को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी थी। विधायकों की ओर से पेश वकील की दलील पर शीर्ष अदालत ने कहा कि हम सुनवाई के लिए तैयार है। हम तारीख दे रहे हैं। राज्य सरकार का आरोप है कि पांच जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में पीठासीन अधिकारी भास्कर जाधव के साथ उक्त 12 विधायकों ने कथित रूप से दुर्व्यवहार किया जिसके बाद इन्हें निलंबित करने का प्रस्ताव सदन की ओर से पारित किया था।

डॉ. भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभाध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। संविधान के निर्माता एवं भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की बता दें कि, भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर की 65वीं पुण्यतिथि है। 6 दिसंबर 1956 को उनका निधन हुआ था। बताया जाता है कि, आंबेडकर निधन खराब स्वास्थ्य के कारण हुआ। वह 14 अप्रैल 1891 में जन्मे थे। देश में उनकी जयंती के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित है। बहुजन समाजवादी पार्टी आंबेडकर को अपनी नींव का स्त्रोत बता चुकी है। एक बसपा नेता ने कहा कि, आंबेडकर भारत के आर्थिक,राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्यों से परिचित थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था।

एके-203 को लेकर भी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और रूस के बीच सोमवार को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अफगानिस्तान सहित कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। दिल्ली में सोमवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डा.एस जयशंकर ने अपने रूसी समकक्षों क्रमश- जनरल सर्गेइ शोइगु और सर्गी लेवरोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई रक्षा समझौतों पर भी हस्ताक्षर हुए,इसमें एके-203 को लेकर भी करार हुआ।इस दौरान रक्षामंत्री ने कहा, रक्षा सहयोग भारत-रूस के बीच साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। मुझे उम्मीद है कि यह साझेदारी सभी जगह शांति लेकर स्थिरता प्रदान करेगी। वहीं, रूसी विदेश मंत्री जनरल सर्गेइ शोइगु ने कहा कि दोनों देशों के संबंध के लिए इनदिनों सैन्य और तकनीकी क्षेत्र में भारत-रूस का सहयोग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वहीं,जयशंकर ने सर्गी लेवरोव के साथ बातचीत में कहा कि हमारे लिए वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन एक अनूठा आयोजन है, जो दो साल के अंतराल के बाद होने वाला है।पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच विश्वास का रिश्ता है। दोनों देशों के बीच जो साझेदारी है, वह काफी खास और अनोखी है। विदेश मंत्री ने कहा, हम आशा करते हैं कि शिखर सम्मेलन से महत्वपूर्ण परिणाम देखने को मिलेगा।उन्होंने आगे कहा, मैं इस बात पर भी जोर देना चाहूंगा कि रूस के साथ द्विपक्षीय रिश्तों और हमारे बीच सहयोग की स्थिति को लेकर मैं बहुत संतुष्ट हूं।

अमेठी में लगेगी राइफलों की मैन्युफैक्क्रिंग यूनिट, तैयार होगी 5 लाख एके-203 राइफल

भारत और रूस के बीच लंबे इंतजार के बाद एके-203 रायफलों के लिए 5,100 करोड़ रुपये की डिफेंस डील हुई है। इन राइफलों की मैन्युफैक्क्रिंग अमेठी में होगा। सोमवार को डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह और रूसी रक्षा मंत्री सेरगे शोइगु के बीच हुई बातचीत के दौरान यह डील फाइनल हुई है।डील के तहत 5 लाख से ज्यादा राइफलें तैयार होनी हैं,इससे सेना को बड़ी मदद मिलेगी।इतना ही नहीं इस अमेठी के विकास और रोजगार की उपलब्धता के लिहाज से भी अहम है।

रूस और भारत के बीच अगले 10 साल तक सैन्य तकनीक के सहयोग को लेकर भी करार हुआ है। यह अग्रीमेंट 2021 से 2031 तक लागू रहेगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने डील के बारे में जानकारी देकर ट्वीट किया, 'भारत को मजबूत सहयोग देने के लिए हम रूस का अभिनंदन करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि यह सहयोग शांति, सद्भाव और स्थिरता लेकर आएगा। हर्ष की बात है कि हमारे बीच छोटे हथियारों के निर्माण और सैन्य सहयोग को लेकर कई तरह के करार हुए हैं। समिट के दौरान भारत और रूस के बीच रक्षा करारों के अलावा ट्रेड, स्पेस, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में भी कुछ समझौते हो सकते हैं। दोनों पक्षों के बीच अफगानिस्तान और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर भी बात होने की उम्मीद है। शनिवार को ही भारत सरकार ने अमेठी में एके-203 राइफलों के मैन्युफैक्क्रिंग को लेकर फैसला लिया था।

इसे इंडो-रसियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से जॉइंट वेंचर के तौर पर किया जाएगा।

नागालैंड सैन्य फायरिंग

गलत पहचान के चलते चली गोलियां : शाह

-जांच के लिए गठित की गई एसआईटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड में गोलीबारी की घटना को लेकर संसद में हंगामा बरपा है। मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि भारतीय सेना को नागालैंड के मोन जिले में उग्रवादियों की आवाजाही की सूचना मिली थी। इसके आधार पर सेना के 21 पैरा कमांडो के एक दस्ते ने 4 दिसंबर को संदिग्ध क्षेत्र में एम्बुश लगाया गया था। इस दौरान एक वाहन एम्बुश के स्थान के समीप पहुंचा जिसे रुकने का इशारा किया गया था लेकिन वो रुकने के स्थान पर तेजी से निकलने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि आशंका के आधार पर वाहन में गोलियां चलाई गई। जिसकी वजह से 8 व्यक्तियों में से 6 की मौत हो गई। बाद में यह गलत पहचान का मामला पाया गया। वहीं 2 घायलों को सेना द्वारा ही इलाज हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यह सामाचार प्राप्त होने के बाद स्थानीय लोगों ने सेना की टुकड़ी को घेर लिया और वाहनों को जला दिया और हमला किया। इसके परिणामस्वरूप सुरक्षाबलों के एक जवान की मौत हो गई और कई जख्मी हो गए। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलानी पड़ी। जिसकी वजह से 7 और लोगों की मौत हो गई तथा कुछ अन्य घायल हो गए।

गृह मंत्री ने बताया कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने स्थिति को सामान्य करने की कोशिश की है। अभी स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बनी हुई है। पुलिस महानिदेशक नागालैंड और आयुक्त नागालैंड ने 5 दिसंबर को घटनास्थल का दौरा किया है। इसके साथ ही पुलिस स्टेशन में प्राथिमिकी दर्ज की गई है और मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए इसे राज्य अपराध पुलिस स्टेशन को जांच के लिए सौंप दिया गया है। इस संदर्भ में एसआईटी का गठन किया गया है। जिसे एक माह के भीतर जांच को पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

महाराष्ट्र के 4 लोगों में ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की पुष्टि, 27 हुई देश में कुल मरीजों की संख्या

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के नए संक्रमण ओमिक्रॉन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य के पिंपरी चिंचवड़ शहर में सोमवार को 6 लोगों के इस वेरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही 10 लोगों के जीनोम सीक्वेंसिंग टेस्ट के नतीजों का इंतजार हो रहा है।

इन नए केस को मिलाकर महाराष्ट्र में अब तक 14 लोगों के ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है। पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका के कमिश्नर राजेश पाटील ने सोमवार को शहर में ओमिक्रॉन के संक्रमितों के मिलने की पुष्टि की है। उनका कहना है कि शहर में 16 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

इन सभी के सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। इनमें से अब तक 6 लोगों के ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की बात सामने आई है। अभी 10 लोगों के नतीजों का इंतजार हो रहा है। उन्होंने कहा है कि प्रशासन इस मामले में पूरी तरह सतर्क है। राजेश पाटिल ने कहा कि जल्द ही शहर में नई गाइडलाइंस जारी करके भीड़ के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने लोगों से भी कोविड 19 के नियमों का पूरी सतर्कता और कड़ाई के साथ पालन करने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि पिंपरी चिंचवड़ में 6 नए लोगों के ओमिक्रॉन से संक्रमित होने के बाद अब देश में इसके संक्रमितों की संख्या 27 हो गई है। महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और दिल्ली समेत भारत में रविवार तक कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के 21 मामले सामने आए थे।

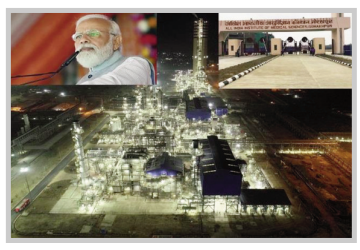

पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयार गोरखपुर, फर्टिलाइजर, AIIMS समेत देंगे कई बड़ी सौगात

(एजेंसी):

प्राकृतिक संसाधनों से लबरेज होने के बावजूद सरकारी उपेक्षा के चलते दशकों से पिछड़ेपन का दंश झेलने वाला पूर्वी उत्तर प्रदेश मंगलवार को चिकित्सा,रोजगार एवं विकास की दिशा में एक कदम और बढ़ायेगा जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां गोरखपुर खाद कारखाना और एम्स समेत करीब दस हजार करोड़ रूपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण करेंगे। करीब 8603 करोड़ रूपये की लागत से तैयार गोरखपुर खाद कारखाने का शिलान्यास मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में 22 जुलाई 2016 को किया था जबकि 2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना को रफ्तार प्रदान की और पांच साल के भीतर यह कारखाना पूरब में विकास और रोजागार की अपार संभावनाओं को नये आयाम देने को तैयार है। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) के गोरखपुर खाद कारखाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी एक हजार करोड़ रूपये की लागत से तैयार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अलावा बाबा राघवदास मेडिकल कालेज स्थित रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर (आरएमआरसी) की अत्याधुनिक हाईटेक नौ लैब का भी लोकार्पण करेंगे। गोरखपुर का खाद कारखाना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में एक है जिसके लिये वह पिछले करीब दो दशक से संघर्षरत रहे हैं। सरकार का दावा है कि इस खाद कारखाने से केवल उत्तर प्रदेश और अन्य सीमाई राज्यों को पर्याप्त उर्वरक की उपलब्धता ही सुनिश्चित नहीं होगी बल्कि इससे खाद आपूर्ति के मामले में आयात पर निर्भरता भी कम होगी। जटिल और गंभीर रोग से ग्रसित मरीजों को इलाज के लिये दिल्ली और मुबंई के बड़े अस्पतालों में ले जाने को विवश पूर्वांचल के लोगों को नरेन्द्र मोदी के हाथों गोरखपुर एम्स की सौगात किसी वरदान से कम नहीं होगी। अपने मरीजों को इलाज के लिये दिल्ली एम्स ले जाने वाले तीमारदार सर्दी,गरमी और बरसात की परवाह किये बगैर अपने नम्बर के इंतजार में कई रातें फुटपाथों पर गुजारने को विवश होते रहे हैं।

भारत ने रूस के साथ 'टू प्लस टू' वार्ता में उत्तरी सीमा पर बिना उकसावे वाली आक्रामकता को चुनौती बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने अपने पुराने मित्र और सहयोगी राष्ट्र रूस के साथ 'टू प्लस टू' रक्षा एवं विदेश मंत्री स्तरीय वार्ता में पड़ोस में 'असाधारण सैन्यीकरण' और उत्तरी सीमा पर 'बिना उकसावे वाली आक्रमकता' को देश के समक्ष प्रमुख चुनौतियां बताया। वार्ता में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में दावा किया कि भारत अपनी दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और अपने लोगों की निहित क्षमताओं के कारण चुनौतियों से पार पाने को लेकर आश्वस्त है। सिंह के अतिरिक्त वार्ता में विदेश मंत्री एस जयशंकर, उनके रूसी समकक्ष सर्जेइ लावरोव और रूस के रक्षा मंत्री जनरल सर्गे शोइगु हिस्सा ले रहे हैं। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, 'महामारी, हमारे पड़ोस में असाधारण सैन्यीकरण, आयुधों का विस्तार और 2020 के ग्रीष्म से हमारी उत्तरी सीमा पर बिना उकसावे की आक्रामकता से कई चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं।' यद्यपि सिंह ने पूर्वी लद्दाख में बिना उकसावे की आक्रामकता का उल्लेख करते हुए चीन का नाम नहीं लिया। उन्होंने ध्यान दिलाया भारत की विकास आवश्यकताएं विशाल हैं तथा उसकी रक्षा चुनौतियां 'वैध, वास्तविक और फौरी' हैं। उन्होंने कहा कि भारत को ऐसे भागीदारों की आवश्यकता है जो देश की आकांक्षाओं एवं आवश्यकताओं के प्रति

संवेदनशील हो और प्रतिक्रिया दे सके। उन्होंने कहा कि भारत एवं रूस के रक्षा संबंधों में हाल के समय में 'अभूतवपूर्व' ढंग से प्रगति हुई है। जयशंकर ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारत एवं रूस के संबंध बदल रहे विश्व में 'बहुत करीबी एवं समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं।' उन्होंने कहा, 'वे (संबंध) असाधारण रूप से स्थायी रहे हैं।' विदेश मंत्री ने कहा, 'हम वैश्विक भूराजनीतिक माहौल के एक महत्वपूर्ण चरण में मिल रहे हैं जिसमें बहुत बदलाव हो रहे हैं विशेषकर कोविड-19 महामारी के बाद में।' उन्होंने आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद और चरमपंथ को क्षेत्र की प्रमुख चुनौती करार दिया। जयशंकर ने कहा, 'करीबी मित्र एवं सामरिक भागीदार के रूप में भारत एक रूस हमारे साझा हितों को सुरक्षित रखने और अपने लोगों की शांति एवं समृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।'

रिजवी ने कहा, मुझे इस्लाम से निकाल दिया गया है, तब मेरी मर्जी मैं कौन सा धर्म चुनता

गाजियाबाद (एजेंसी) । शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने सोमवार को इस्लाम छोड़कर गाजियाबाद के डासना मंदिर में हिंदू धर्म ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह धर्मपरिवर्तन नहीं है। जब मुझे इस्लाम से निकाल दिया गया है, तब मेरी मर्जी मैं कौन सा धर्म चुनता हूं। रिजवी ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा धर्म सनातन धर्म ही है। इस्लाम कोई धर्म नहीं है। गौरतलब है कि वसीम रिजवी ने सुबह डासना देवी मंदिर मे शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक कर हिदू सनातन धर्म में आस्था जताई। रिजवी रविवार रात को ही आगरा से डासना देवी मंदिर में आ गए थे। डासना मंदिर में महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती की मौजूदगी में सुबह साढ़े 10 बजे मंदिर के पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार और अनुष्ठानों के जरिए उनका विधिवत सनातन धर्म ग्रहण कराया।धर्म परिवर्तन के बाद रिजवी अब त्यागी बिरादरी से जुड़ गए। सैय्यद वसीम रिजवी का नया नाम अब जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी होगा। अब उनका गोत्र वत्स है। धर्म परिवर्तन करने के बाद वसीम रिजवी ने कहा कि सनातन धर्म दुनिया का सबसे पवित्र धर्म है। इसमें बहुत सारी खूबियां हैं। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन के लिए उन्होंने 6 दिसंबर के पवित्र दिन चुना है। आज के ही दिन 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कार सेवकों ने बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया था।

सामान्य सर्दी-जुकाम की तरह नजर आ रहा ओमिक्रॉन, इसकारण पहचानना मुश्किल

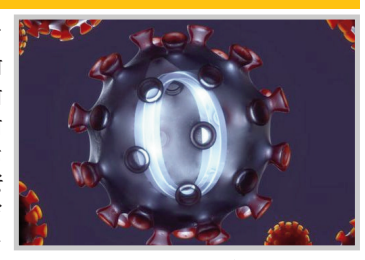

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना के नया वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले भारत सहित कई देशों में मिल चुके हैं, इस लेकर चिंता बढ़ गई है।शोधकर्ता लगातार नए वेरिएंट को समझने की कोशिश कर रहे हैं।ओमिक्रॉन के संक्रमण को लेकर एक नए शोध में यह जानकारी सामने आई है, कि ये बिल्कुल सामान्य सर्दी-जुकाम की तरह नजर आता है।इसकारण इसकी पहचान करना और मुश्किल है।शोधकर्ताओं का कहना है कि संभव है कि वायरस ने सामान्य जुकाम वाले वायरस से आनुवंशिक सामग्री ली हो और अपना कम से कम एक म्यूटेशन किया हो।इससे पहले भी कई शोध में कहा गया है, कि ओमिक्रॉन संक्रमण के लक्षण बाकी वैरिएंट्स से अलग नजर आ रहे हैं।इसके लक्षण बहुत गंभीर नहीं है,इसकारण संक्रमित लोगों को इसका पता लगाने में देरी हो सकती हैं। ओमिक्रॉन का संक्रमण संभवतः सामान्य जुकाम की तरह दिखता है,इस लेकर एक रिसर्च किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक़, शोध में पता चला है, कि यह म्यूटेशन एक सेल (कोशिका) में हुआ होगा, जो सोर्स-सीओवी-2 और कोल्ड वायरस, दोनों को ही होस्ट कर सकता है।शोध में मिली जानकारी का मतलब ये हो सकता है, कि ओमिक्रॉन अधिक तेजी से फैलता है, मगर इसके लक्षण या नहीं दिखते या फिर बेहद हल्के दिखते हैं।इसके सवाल उठ रहे हैं कि क्या ओमिक्रॉन कोरोना के अन्य दूसरे वेरियंट्स से अधिक खतरनाक है और क्या ये गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है? सवाल हैं कि क्या ये दुनिया भर में तबाही मचाने वाले वैरिएंट डेल्टा से भी आगे निकल सकता है? इन सभी सवाल पर वैज्ञानिकों का शोध चल रहा है।ओमिक्रॉन के नए लक्षण इसका संकेत हैं, कि ये वायरस के रिकॉम्बिनेशन का नतीजा हो सकता है।इस प्रक्रिया में दो अलग-अलग वायरस एक ही होस्ट सेल में मिलते हैं और अपनी कॉपियां (संख्या बढ़ाना) बनाते हैं।इस दौरान वायरस की नई कॉपी बनती हैं।इस नए वायरस में दोनों पैरेंट वायरस के आनुवांशिक गुण मौजूद होते हैं। रिसर्च में बात सामने आई है कि ओमिक्रॉन वैसे व्यक्ति में पैदा हुआ होगा जो दोनों ही वायरस से संक्रमित होगा।बताया जा रहा है कि इसी वजह से इसके लक्षण भी अन्य कोविड वेरियंट्स से अलग हैं।ये आनुवांशिक अनुक्रम कई बार कोरोनावायरस के एक प्रकार में दिखता है जो लोगों में सामान्य जुकाम का कारण बनता है।ये आनुवांशिक अनुक्रम एचआईवी में भी मिलता है, जिस कारण एड्स होता है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com